वर्ष : 33 ▸ अंक : 90 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, रविवार, 16 जून 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

हैपी **फादर्स** डे

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

हमें पढ़ाओ न रिश्तों की
कोई और किताब
पढ़ी है बाप के चेहरे की
झुर्रियाँ हम ने

– मेराज फ़ैज़ाबादी

हम साथ-साथ हैं...

विधानसभा चुनाव में भी एकजुट रहेगा MVA

अमित बृज । मुंबई

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से उत्साहित महाविकास आघाड़ी (मविआ) अब आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेगी। लोकसभा चुनाव की तरह विपक्षी गठबंधन मविआ पूरी ताकत के साथ विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरेगी। शनिवार को मविआ के तीनों दलों के प्रमुख नेताओं की विधानसभा चुनाव को लेकर प्राथमिक बैठक यशवंतराव चव्हाण सेंटर में हुई। बैठक में तीनों दलों ने सहयोगी छोटे दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला लिया। इस दौरान नेताओं ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। एनसीपी(एसपी) के नेता शरद पवार ने कटाक्ष करते हुए कहा कि हम एमवीए के पक्ष में राजनीतिक माहौल को अनुकूल बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हैं। शरद पवार ने कहा कि जहां भी प्रधानमंत्री का रोड शो और रैली हुई, वहां हमने जीत हासिल की। इसलिए मैं प्रधानमंत्री का आभार जताना अपना कर्तव्य समझता हूं।

एमवीए के नेताओं की हुई बैठक

शरद पवार ने किया कटाक्ष

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एमवीए के लिए राजनीतिक माहौल बनाने के लिए प्रधानमंत्री का आभार। पवार ने कहा कि जहां भी प्रधानमंत्री का रोड शो और रैली हुई, हमने जीत हासिल की। इसलिए मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना अपना कर्तव्य समझता हूं। उन्होंने उन विशेष निर्वाचन क्षेत्रों के परिणामों पर पीएम मोदी के कार्यक्रमों के प्रभाव को स्वीकार किया।

राज्य सरकार में ला सकते हैं बदलाव

इस बीच कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने सुझाव दिया कि चुनाव परिणाम राज्य सरकार में बदलाव ला सकते हैं। चव्हाण ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद महाराष्ट्र में सरकार का परिवर्तन आसन्न है। उन्होंने राज्य के भीतर सत्ता की गतिशीलता में संभावित बदलाव का संकेत दिया। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के गठबंधन एमवीए ने अपनी एकता और सहयोगी प्रयासों को लोकसभा चुनावों में जीत हासिल की है।

अचानक बैठक बुलाई थी : पटोले

महाविकास आघाड़ी की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले शामिल नहीं हुए थे। इसको लेकर पटोले के नाराज होने की खबरें आई। इस पर पटोले ने कहा कि शुक्रवार को अचानक मविआकी बैठक तय हुई थी। मैं विदर्भ में पूर्व नियोजित कार्यक्रम के कारण बैठक में नहीं जा पाया। लेकिन बैठक में कांग्रेस केदो वरिष्ठ नेता मौजूद थे। दूसरी ओर पटोले के बैठक में शामिल नहीं होनेपर शिवसेना (शिंदे) के सचिव किरण पावसकर ने कहा कि सत्ता के लिए महाविकास आघाड़ी में गैंगवार शुरू है। शिवसेना (उद्धव) को कांग्रेस और राकांपा (शरद) मिलकर सड़क पर ला देगी।

उद्धव ठाकरे की हुंकार — लोकसभा चुनाव की जीत अंत नहीं, बल्कि शुरुआत

उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य के लोगों ने दिखा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी की अजेयता का मिथक कितना खोखला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महा विकास अघाड़ी के लिए लोकसभा चुनाव की जीत अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। चुनाव प्रचार के दौरान मैंने अपनी रैलियों में आए लोगों को 'देशभक्त' कहकर संबोधित किया था... सभी देशभक्त लोकतंत्र को बचाने के लिए एक साथ आए। उन्होंने कहा कि लोग जाग चुके हैं और संघर्ष अभी शुरू हुआ है।

मोदी सरकार पर हमला

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अब एनडीए सरकार है और यह देखना बाकी है कि यह कितने समय तक चलती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने एमवीए को अप्राकृतिक गठबंधन बताकर उसका मजाक उड़ाया था। उन्होंने पूछा कि क्या केंद्र में गठबंधन को अब प्राकृतिक या अप्राकृतिक कहा जाना चाहिए। बीजेपी के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि विपक्ष ने चुनावों के दौरान फर्जी विमर्श फैलाया, ठाकरे ने कहा कि आप इस विमर्श को क्या कहेंगे कि 'इंडिया' गठबंधन लोगों की संपत्ति छीनकर उसे अधिक बच्चों वाले लोगों में बांटने, मंगलसूत्र, भैंस छीनने और पानी के कनेक्शन काटने की योजना बना रहा है?

भगवान राम बीजेपी-मुक्त

कुछ बीजेपी नेताओं के इस कटाक्ष पर कि उनकी अगुवाई वाली शिवसेना को मुसलमानों के वोट तो मिले, लेकिन मराठी भाषियों के नहीं, जो इसका पारंपरिक समर्थन आधार है, ठाकरे ने कहा कि सभी धर्मों के देशभक्त लोगों ने विपक्षी गठबंधन को वोट दिया और उनमें मुसलमान और मराठी भाषी दोनों शामिल थे। उत्तर प्रदेश में बीजेपी की हार और विशेषकर फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र (जहां अयोध्या स्थित है) में हार का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि लोकसभा परिणामों ने भगवान राम को बीजेपी-मुक्त बना दिया है।

क्या एनडीए में जाएंगे उद्धव?

उन्होंने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि वे बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापस आ सकते हैं। ठाकरे ने पूछा कि मान लीजिए कि मैं पाला बदलने की योजना बना रहा हूं, तो क्या मैं इन लोगों (पवार और चव्हाण) के साथ बैठकर इसकी घोषणा करूंगा? ठाकरे और शरद पवार दोनों ने अपनी-अपनी पार्टियों से बागी नेताओं को वापस लेने की संभावना से इनकार किया।

बागी नेताओं की वापसी असंभव : जून 2022 में एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद शिवसेना विभाजित हो गई, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने, जबकि पिछले साल जुलाई में अजित पवार के आठ विधायकों के साथ राज्य सरकार में शामिल होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दो गुटों में टूट गई। लोकसभा चुनावों में एमवीए के अच्छे प्रदर्शन के बाद ऐसी अटकलें हैं कि प्रतिद्वंद्वी गुटों के कुछ नेता वापस लौटना चाहते हैं। ठाकरे और शरद पवार ने संवाददाता सम्मेलन में साफ तौर से कहा कि बागी नेताओं को वापस लेने का कोई सवाल ही नहीं है।

एमवीए से कौन होगा सीएम उम्मीदवार? ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के पिछले भाषणों का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जद(यू) नेता नीतीश कुमार के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार किया था, दोनों ही अब नरेंद्र मोदी सरकार का समर्थन कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि एमवीए का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, ठाकरे ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को पहले यह बताने दीजिए कि उनका मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है।

न्यूज़ ब्रीफ

खदान में पांच बच्चे डूबे, दो के मिले शव

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व में एक बंद खदान में बनी झील में पांच बच्चे डूब गए। घटना नालासोपारा पूर्व के संतोष भुवन इलाके की है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं और उनके साथ मौजूद तीन लोगों की तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार पांच बच्चे खदान तालाब में तैरने गये थे। लेकिन पानी का पूर्वानुमान न होने के कारण सभी लोग डूब गये। मृतक बच्चों की पहचान अमित सूर्यवंशी (12 वर्ष) और अभिषेक शर्मा (12 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने 2 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। चूंकि उनके साथ तीन अन्य लोग भी थे, इसलिए उनकी भी तलाशी ली गई।दमकलकर्मियों ने पूरी झील की तलाशी ली। लेकिन तीनों का पता नहीं चला। ऐसा अनुमान है की पांच में से दो बच्चे डूब गये होंगे, इसके बाद पुलिस ने अनुमान लगाया कि तीनों लोग डरकर मौके से भाग गये होंगे। 3 लापता लोगों की तलाश जारी है।

बीजेपी कार्यकर्ता के बेटे ने 5 को कुचला

नागपुर। महाराष्ट्र की उप राजधानी में 'हिट एंड रन' का सिलसिला जारी है। नंदनवन पुलिस स्टेशन अंतर्गत वेंकटेशनगर चौक में एक नाबालिग कार चालक ने सड़क पर कोहराम मचा दिया। एक बेकाबू कार ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। इससे तीन फल और सब्जी विक्रेताओं सहित पांच लोग जख्मी हो गए। कार एक पेड़ से टकराकर रुक गई। यह दिल दहला देने वाली घटना शनिवार दोपहर करीब एक बजे की है। घायलों की पहचान महेंद्र अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, सब्जी विक्रेता बसंती गोंड, गोलू साहू और कार्तिक के रूप में हुई है।

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	29.0-23.0	80%

सूर्यास्त रविवार 07:17 बजे
सूर्योदय सोमवार 06:01 बजे

पुलिस कांस्टेबल ने की आत्महत्या

पत्नी के 'उत्पीड़न' से तंग आकर उठाया यह कदम

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई पुलिस के एक कांस्टेबल ने अपनी पत्नी के 'उत्पीड़न' से तंग आकर आत्महत्या कर ली। वह पुलिस क्वार्टर में स्थित अपने घर में पंखे से लटका पाया गया। उसने एक सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें उसने पत्नी पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। कांस्टेबल की पहचान विजय सालुंखे (38) के रुप में हुई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एडीआर दर्ज जांच जारी

दंपति की एक बेटी है। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे इसकी जांच कर रही है।

छोड़ा सुसाइड नोट

अधिकारी ने बताया कि शाहू नगर पुलिस थाने में पदस्थ कांस्टेबल विजय सालुंखे ने शुक्रवार रात प्रतीक्षा नगर पुलिस क्वार्टर में स्थित अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। वडाला टीटी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल सालुंखे ने जिस वक्त आत्महत्या की उस वक्त वह अपने घर में अकेला था। उन्होंने बताया कि जब उसके परिजन घर आए तो उन्होंने सालुंखे को फंदे से लटका हुआ पाया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें सालुंखे ने अपनी पत्नी पर 'उत्पीड़न' करने का आरोप लगाया है।

कुएं में तैरने के दौरान करंट लगने से 15 साल के लड़के की मौत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शनिवार को मुंबई के चेंबूर इलाके में एक कुएं में तैरते समय बिजली का झटका लगने से 15 वर्षीय एक लड़के की दुखद मौत हो गई।

अवैध मोटर की वजह से हादसा

यह घटना चेंबूर के माहुल गांव में हुई। मुंबई पुलिस ने बताया कि कुएं में अवैध रूप से लगाई गई मोटर की वजह से करंट लगने की घटना हुई। यह मोटर पास के होटल ने पानी निकालने के लिए लगाई थी। इस अवैध मोटर की वजह से यह जानलेवा हादसा हुआ।

गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

होटल मालिकों अनंत माहुलकर, दयाराम माहुलकर और हरिराम माहुलकर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वे फिलहाल 18 जून तक पुलिस हिरासत में हैं।

ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर भीषण हादसा

अलकनंदा नदी में गिरी ट्रैवलर

▸▸ 14 की मौत, 7 घायलों को किया गया एयरलिफ्ट

एजेंसी । रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड में ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर शनिवार को अलकनंदा नदी में एक भीषण हादसा हो गया। रुद्रप्रयाग के पास बद्रीनाथ राजमार्ग पर लगभग 23 यात्रियों से भरा एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर नदी में गिर गया, अब तक 14 लोगों की मौत की खबर है, जबकि 12 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रुद्रप्रयाग एसपी विशाखा अशोक भदाने ने कहा- हमें जानकारी मिली है कि टेम्पो ट्रैवलर में 26 लोग सवार थे। 7 घायलों को एयरलिफ्ट कर ऋषिकेश एम्स ले जाया गया है।

SDRF और पुलिस की टीमों ने किया बचाव कार्य

रिपोर्ट के मुताबिक, एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटी हैं। घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय प्रशासन भी मौके पर राहत कार्य में सक्रिय है। स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से बाकी यात्रियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना : राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टेम्पो ट्रैवलर में कुल कितने लोग सवार थे।

फादर्स डे स्पेशल ▸ सर गंगाराम अस्पताल में हुआ प्रत्यारोपण, दोनों हैं स्वस्थ

बेटी ने लिवर और बेटे ने किडनी दान कर बचाई पिता की जान

मुनीब चौरसिया । नई दिल्ली

पिता और संतान के बीच रिश्ता बेहद अनमोल होता है। दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में हमेशा साथ होते हैं। इसी की मिसाल हमें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में देखने को मिली। 28 वर्षीय अनामिका ने लिवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित अपने पिता को लिवर दान कर न सिर्फ उनकी जान बचाई बल्कि उसके बाद भी उनकी देखभाल में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, दूसरी ओर रोहित ने अपने बुजुर्ग पिता को किडनी दान देकर उनकी जान बचाई।

पहला मामला : अनामिका ने लिवर देकर बचाई पिता की जान

दरअसल, 49 साल के जगजीत सिंह दिल्ली पुलिस में बतौर ऑफिसर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कुछ महीने पहले वे बीमार रहने लगे। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में जांच कराई तो लिवर सिरोसिस का पता चला। अस्पताल में उनका लिवर प्रत्यारोपण करने वाले डॉक्टर उषास्त धीर ने बताया कि जब जगजीत सिंह के परिवार को उनकी बीमारी का पता चला तो उनका पूरा परिवार टूट गया था, लेकिन जगजीत की 28 वर्षीय बेटी अनामिका ने सबको संभाला। वे अपना लिवर पिता को दान करने के लिए तैयार हो गई। लिवर प्रत्यारोपण के बाद जगजीत को रिकवरी में काफी समय लगा था, लेकिन अनामिका अपनी सर्जरी के कुछ दिन बाद ही पापा की सेवा में लग गई।

दूसरा मामला : रोहित ने किडनी दान देकर बुजुर्ग पिता को बचाया

बिहार के रहने वाले 27 साल के रोहित कुमार ने अपने बुजुर्ग पिता की जान बचाने के लिए उन्हें अपनी किडनी दान की है। यह उनके लिए बेहद कठिन समय था जब उनके पिता राम विलास यादव को 58 साल की उम्र में अंतिम चरण की गुर्दे की बीमारी का पता चला। बिना किसी हिचकिचाहट के रोहित ने अपने पिता की जान बचाने के लिए अपनी एक किडनी दान करने का फैसला किया। वे दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल गए, जहां नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. भल्ला ने प्रत्यारोपण की देखरेख की। उनका ऑपरेशन सफल रहा और जैसे-जैसे राम विलास स्वस्थ होते गए, रोहित उनके साथ डटे रहे। रोहित का किडनी दान करने का निर्णय केवल एक चिकित्सा प्रक्रिया नहीं थी बल्कि यह एक पिता और पुत्र के बीच अथाह प्रेम का प्रमाण था।

कोर्ट ने MBMC से बकरीद पर पशु कुर्बानी पर नए अनुरोध पर विचार करने को कहा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बम्बई उच्च न्यायालय ने मीरा भायंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) को बकरीद त्योहार के दौरान पशुओं की कुर्बानी की अनुमति देने संबंधी नए अनुरोध पर विचार करने का निर्देश दिया है। अदालत ने शुक्रवार को नगर निकाय को 16 जून की अपराह्न तक निर्णय पर पहुंचने का निर्देश दिया। एमबीएमसी के पशुपालन विभाग ने 10 जून को त्योहार के दौरान पशुओं की कुर्बानी के लिए अस्थायी रूप से दी गई अनुमति रद्द कर दी थी। स्थानीय पुलिस की इस दलील पर विचार करने के बाद कि इससे क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है, नगर निकाय ने पांच जून को पशुओं की कुर्बानी की अनुमति देने संबंधी अपने आदेश को वापस ले लिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता रिजवान खान ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और नगर निकाय द्वारा पशुओं की कुर्बानी की अनुमति रद्द करने से जुड़े फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति श्याम चांडक और न्यायमूर्ति रेवती डेरे की खंडपीठ ने कहा कि कानून और व्यवस्था की समस्या को अनुमति रद्द करने का आधार नहीं बनाया जा सकता।

8 घंटे में महिला की हत्या की गुत्थी सुलझी

दोपहर संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली में महिला की हत्या के आरोपी को पुलिस ने महज 8 घंटे में ढूंढकर जंजीरों में डाल दिया है. डोंबिवली पश्चिम शास्त्रीनगर में वसंत निवास इमारत में 56 वर्षीय महिला की हत्या की घटना शुक्रवार दोपहर के आसपास हुई। मृतक महिला का नाम आशा रायकर है। हत्या के आठ घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी यश विखे को गिरफ्तार कर लिया है।

मैसेज ने खोली पोल

यश ने अपने एक दोस्त को मैसेज भेजा था। इसमें लिखा था, 'चल यार आज दारू पीते हैं, कल लगता है जमा होना पड़ेगा।' यश के दोस्तों से पूछताछ के दौरान पुलिस को यह मैसेज मिला। इसके बाद विष्णुनगर पुलिस को शक हुआ और पुलिस ने यश विखे को हिरासत में ले लिया। सबसे पहले, यश ने जवाबों की झड़ी लगा दी। लेकिन जैसे ही उसने पॉलिसी के कागजात दिखाए तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

कर्ज में डूब गया था आरोपी

यश ऑनलाइन क्रिकेट जुए में पैसे हार गया था, इसलिए वह कर्ज में डूब गया था। कर्ज चुकाने के लिए उसने घर में अकेली रहने वाली आशा रायकर के गहने चुराने की योजना बनाई। शुक्रवार दोपहर करीब उसने आशा का गला घोंट दिया और उसके गहने चुरा लिए। चौंकाने वाली बात यह है कि यश तब पुलिस के साथ मिलकर सीसीटीवी चेक कर आरोपियों की तलाश कर रहा था और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था।

पूरा मामला समझें प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वसंत निवास डोंबिवली पश्चिम शास्त्रीनगर इलाके में एक इमारत है। इस बिल्डिंग में रहने वाली आशा रायकर के घर के बाहर एक दीवार थी। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर पड़ोसियों को शक हुआ। वे दरवाजा खोलकर अंदर गए तो आशा का शव मिला। आशा रायकर लेबर हॉस्पिटल से सेवानिवृत्त थीं। उनकी एक बेटी विरार में रहती है। आशा अकेली रहती थी। घटना की सूचना विष्णुनगर पुलिस को दी गयी। विष्णुनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को आशंका है कि आशा की गला घोंटकर हत्या की गई, क्योंकि उसकी गर्दन पर घाव था। पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज किया। डीसीपी सचिन गुंजल, डोंबिवली एसीपी सुनील कुराडे और विष्णुनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय पवार के मार्गदर्शन में पुलिस की दो टीमों ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के इलाके के सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए। इस वक्त उसी बिल्डिंग में रहने वाला युवक यश विखे भी पुलिस के साथ सीसीटीवी चेक कर रहा था। सीसीटीवी से पता चला कि बिल्डिंग के बाहर से कोई नहीं आया था। यश नाम के इस युवक से जब पुलिस ने पूछताछ की। तब यश बिचाना ने व्यर्थ उत्तर दिया। तो पुलिस को शक हुआ। विष्णुनगर पुलिस यश के कुछ दोस्तों को पूछताछ के लिए थाने ले आई । उनमें से एक ने दोपहर को यश के मोबाइल पर मैसेज किया था। आज शराब पी रहे हैं। संचय की प्रवृत्ति हो सकती है। इस मैसेज से पुलिस को शक हुआ कि यश ने ही आशा रायकर की हत्या की है। पुलिस ने तुरंत यश विखे को हिरासत में ले लिया। फिर भी यश व्यर्थ उत्तर दे रहा था। लेकिन जैसे ही पुलिस ने उसे खाकी का रौब दिखाया तो उसने जुर्म कबूल कर लिया।

फ्लैट का वादा, जाली सिग्नेचर से लोन और 4 करोड़ की ठगी

फ्रॉड करने में बैंक का पूर्व अफसर भी शामिल

दोपहर संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर में फ्लैट खरीदारों से 4 करोड़ की ठगी कर ली गई। इस मामले में पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने डेवलपर और एक सहकारी बैंक के पूर्व सीनियर अफसर समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इन पर आरोप है कि फ्लैट देने के बहाने 18 लोगों से 4 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर ली। एजेंसी के अनुसार, यह धोखाधड़ी फरवरी 2017 से जून 2024 के बीच की गई। आरोपियों की पहचान कई निर्माण फर्मों के मालिक और साझेदार संतोष बाबूराव वाघमारे उर्फ टाइगर भाई, सहकारी बैंक के पूर्व सहायक महाप्रबंधक विनायक दिगंबर वाकणकर और बैंक में तत्कालीन वरिष्ठ क्लर्क जगदीश भाले के रूप में हुई है।

मामला दर्ज कर जांच शुरू

शिकायत में कहा गया है कि संतोष बाबूराव वाघमारे ने पीड़ितों को अपने प्रोजेक्ट में फ्लैट देने का वादा किया था। फ्लैट को लेकर पैसे भी ले लिए थे। इसके बाद वाघमारे ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर बैंक से उनके जाली सिग्नेचर करके बैंक से लोन स्वीकृत करवा लिया। इस तरह 4,10,91,273 रुपये की धोखाधड़ी की गई। बैंक ने जब ऋण स्वीकृत कर दिया तो इसके बाद पीड़ितों की जानकारी के बिना ही पैसा वाघमारे की फर्मों के खातों में जमा होने लगा। पैसा लेने के बाद आरोपियों ने फ्लैट भी नहीं दिया। इस पर पीड़ितों को जब लगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो एक ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर रबोड़ी पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता जयप्रकाश मुंदड़ा शिंदे समूह में शामिल

एजेंसी | मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के नेता और पूर्व मंत्री डॉ. जयप्रकाश मुंदड़ा शनिवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री शिंदे ने मुंदड़ा का पार्टी में स्वागत किया और उनके भावी सामाजिक एवं राजनीतिक कैरियर के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुंदड़ा हिंगोली विधानसभा क्षेत्र से चार बार शिवसेना के टिकट पर विधायक बने थे। मुंदड़ा महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री भी रह चुके हैं। पिछले कुछ सालों से मुंदड़ा को पार्टी में दरकिनार कर दिया गया था। लोकसभा चुनाव में भी उद्धव ठाकरे ने मुंदड़ा को महत्व नहीं दिया था। इसी वजह मुंदड़ा ने आज शिवसेना शिंदे समूह की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, शिवसेना उपनेता विजय नाहटा, हिंगोली संपर्क प्रमुख आनंद जाधव, उपजिला प्रमुख राजू चापके आदि उपस्थित थे।

15 किसानों पर मामला दर्ज

फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में बाधा डालने का आरोप

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी तालुका के वसई दिवा रेलवे मार्ग में ओवली ग्राम पंचायत सीमा पर रेलवे क्रॉसिंग के लिए बना जा रहे फ्लाईओवर के कार्य को रोक कर बाधा डालने वाले 15 किसानों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है । जबकि किसानों का आरोप है की उन्हें जमीन का मुआवजा नहीं मिला है जिसका वह विरोध कर रहे है।

पूरा मामला समझें ?

भिवंडी तालुका के वसई दिवा रेलवे लाइन तालुका से होकर गुजर रही है इस रेलवे लाइन पर ओवली गांव की सीमा में एक क्रॉसिंग गेट है, इसके चलते कई बार वाहन फंस जाते हैं। 60 करोड़ रुपये की लागत से 15 सितंबर 2023 को फ्लाईओवर का निर्माण शुरू किया गया था।इस बाबत जिन किसानों की जमीन से यह फ्लाईओवर गुजर रहा है, उन्हें बाजार मूल्य से पांच गुना अधिक मुआवजा दिया गया है। गौरतलब हो कि ओवली ग्राम सर्वे, नं. 46/2 ब मधील 0.1310 हेक्टर आर, सर्व्हे नं.46/3 में 0.0474 हेक्टर आर,सर्व्हे नं. 46/1क मधील 0.0319 हेक्टर आर, सर्व्हे नं.46/6 और 63अ मधील 0 .0740 हेक्टर आर या कृषि जमिनी में उडानपुल जगह पर मालगाड़ी यातायात मार्ग योजना के अंतर्गत राज्य महामार्ग जोड़ने वाले ओवळी रास्ते पर उडान पुल के पिलर क्रमांक 10,11,12 व 13 का निर्माण कार्य शुरू है।जहां पर ओवली गांव के जनार्दन गणपत पाटिल, नंदकुमार गणपत पाटिल, रवींद्र गणपत पाटिल, प्रकाश गणपत पाटिल, जयेश जनार्दन पाटिल, जितेश प्रकाश पाटील, नीलम रवीन्द्र पाटील, भूमिका जयेश पाटील, कविता नंदकुमार पाटील, भावना प्रकाश पाटील वहां आये और लोक निर्माण विभाग के सरकारी कर्मचारी ऋषिकेश दीपक पिंगले से बहस कर जे.सी.बी. मशीन के सामने खड़े होकर केंद्र और राज्य सरकार की परियोजनाओं के काम में रुकावट डाली।

कुवैत आग हादसा

एक व्यक्ति का शव मुंबई लाया गया

एजेंसी | मुंबई

कुवैत में भीषण अग्निकांड में मारे गए 45 भारतीयों में से एक व्यक्ति डेनी करुणाकरण का पार्थिव शरीर शनिवार तड़के यहां लाया गया। पश्चिमी उपनगर के मालवणी निवासी उनके पिता बेबी कुट्टी ने बताया कि शव को शवगृह में रखा गया है और अंतिम संस्कार रविवार को किया जायेगा। डेनी (33) का पार्थिव शरीर उनके परिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तड़के लगभग तीन बजकर 45 मिनट पर मिला। कुट्टी ने बताया कि डेनी चार साल पहले कुवैत गया था और एनबीटीसी में लेखा एवं विक्रय समन्वयक था।

'हमने उसकी शादी तय करने की योजना बनाई थी'

उन्होंने कहा, ''मैंने उससे लगभग दो महीने पहले बात की थी और हमने उसकी शादी तय करने की योजना बनाई थी। मैं उससे दो साल पहले मिला था, वह एक फ्लैट खरीदना चाहता था और इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। उसकी मृत्यु से उनके परिवार, मित्रों और पड़ोसियों को गहरा सदमा लगा है।''

डेनी ने दक्षिण मुंबई के विल्सन कॉलेज में पढ़ाई की थी और आगे की पढ़ाई के लिए केरल के पुनालुर में बाइबल कॉलेज चले गए थे। कुवैत के मंगाफ में बुधवार को सात मंजिला एक इमारत में लगी आग में कम से कम 49 विदेशी श्रमिकों की मौत हो गई थी, जिनमें 45 भारतीय शामिल थे। हादसे में 50 अन्य घायल हो गये थे। शेष मृतक पाकिस्तानी, फिलिपिनो, मिस्र और नेपाली नागरिक थे। दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में स्थित इस इमारत में लगभग 195 प्रवासी कामगार रहते थे।

सुनील लोणकर पुणे जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष नियुक्त

दोपहर संवाददाता | पुणे

मराठी पत्रकार परिषद से संबद्ध पुणे जिला मराठी पत्रकार संघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा हाल ही में की गई है। इस नियुक्ति में सुनील पांडुरंग लोणकर भिवरी (ता.पुरंदर) को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। जिला पत्रकार संघ की कार्यकारिणी समिति की नियुक्ति की घोषणा हाल ही में पुणे में मराठी पत्रकार सम्मेलन के मुख्य ट्रस्टी एसएम देशमुख, किरण नाइक, अध्यक्ष शरद पाबले, संभागीय सचिव गणेश मोकाशी, राज्य चुनाव विभाग प्रमुख प्रोफेसर सुरेश नाईकवाडे के मार्गदर्शन में की गई है।

1 किलो 720 ग्राम चरस बरामद

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में 17 लाख 26 हजार रुपए कीमत का 1 किलो 720 ग्राम चरस बरामद हुई है । शहर के पाइप लाइन इलाके से एक तस्कर को ठाणे हफ्ता विरोधी पथक ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिस के पास से 1 किलो 720 ग्राम चरस जिसकी कीमत 17 लाख 26 हजार रुपया बताया गया है। जबकि इसके दूसरे साथी की तलाश में पुलिस जुटी है।

आरोपी को किया गया गिरफ्तार

ठाणे हफ्ता विरोधी पथक के सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील तारमुले ने बताया कि उक्त सूचना के बाद हफ्ता विरोधी पथक ने 13 जून को रात में 6 .30 बजे पाइप लाइन पर जाल बिछाकर शक के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 17 लाख 26 हजार 500 रुपए कीमत का एक बैग से 1 किलो 720 ग्राम चरस बरामद हुआ है ।इसका नाम अनिल कुमार श्रीमुख लाल प्रजापति(42) है, जो भिवंडी के टेमघर इलाके में रहता है तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के सैदाबाद तहसील के दुसौली गांव का रहने वाला है और एक मैकेनिक है। इस पर शांतिनगर पुलिस ने ठाणे हफ्ता विरोधी पथक के पुलिस हवलदार आशीष पाटील की शिकायत पर सीआर नंबर 1989/24 में एनडीपीएस कायदा कालम 8(क),20(ब) (क),29 के तहत केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यूपी से बेचने के लिए लाया गया था

ठाणे हफ्ता विरोधी पथक के सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील तारमुले ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी उक्त चरस यूपी से अपने दूसरे साथी के सहयोग से यहां बेचने के लिए लाया था। फिलहाल यह किसे बेचा जाने वाला था, इसकी जांच शुरू है ।उन्होंने बताया कि आरोपी के दूसरे साथी की तलाश में हफ्ता विरोधी पथक की एक टीम यूपी रवाना हुई है। जल्द ही दूसरा आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में होगा। इसी तरह शांतिनगर पुलिस ने स्थानीय शनिनगर इलाके में स्थित गौहर कंपाउंड में इमरान शेख के लूम कारखाने के बगल गली से मो अली अब्दुल अजीज शेख(45)को 14 जून को रात 9 .05 बजे गिरफ्तार किया है ।जिसके पास से पुलिस ने 18 हजार 300 रुपए कीमत का 810 ग्राम गांजा बरामद किया है ।जो उक्त इलाके में गांजा बेच रहा था ।जिस पर पुलिस एन डी पी एस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के सम्मान में जारी किया गया डाक कवर

गीतकार गुलजार और फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल रहे मौजूद

एजेंसी | मुंबई

भारतीय फिल्मों के संरक्षण और उसकी विरासत को सहेजने का काम करनी वाली संस्था फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ। दरअसल, भारतीय डाक द्वारा फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन को उसके काम के लिए सम्मानित किया गया। कवि और गीतकार गुलजार और फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल, शुक्रवार, 14 जून, 2024 को मुंबई में फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक विशेष डाक कवर के विमोचन के दौरान वहां उपस्थित रहे। दोनों दिग्गजों की मौजूदगी ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के सम्मान में जारी किया गया डाक कवर

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन की ओर से एक ट्वीट के जरिए जानकारी साझा की गई है। ट्वीट के मुताबिक, भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण फिल्म विरासत को बचाने, संरक्षित करने और उसे पुनर्स्थापित करने के लिए फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के प्रयासों के सम्मान में विशेष डाक कवर जारी किया गया। वहीं, कवर के विमोचन के बाद इसका सीमित संस्करण मुंबई स्थित जनरल पोस्ट ऑफिस के फिलैटली ब्यूरो में उपलब्ध रहेगा। मालूम हो कि फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन एक गैर–लाभकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय मुंबई में है।

गीतकार गुलजार और फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल रहे मौजूद

डाक कवर को महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल किशन कुमार शर्मा और मुंबई के पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह और डाक सेवा निदेशक अभिजीत बंसोडे द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर द फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के निदेशक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार शाम पांच बजे मुंबई स्थित जनरल पोस्ट ऑफिस में किया गया। डाक कवर को पद्म भूषण और ज्ञानपीठ से सम्मानित गीतकार गुलजार और दादा साहब फाल्के और पद्म भूषण से सम्मानित फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल की मौजूदगी में जारी किया गया।

'माया मिरिगा' फिल्म को किया था रिस्टोर

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने हाल ही में, उड़िया भाषा की फिल्म 'माया मिरिगा' को रिस्टोर करने का काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन नीरद मोहापात्रा ने किया था। फिल्म को बोलोग्ना में होने वाले प्रतिष्ठित इल सिनेमा रिट्रोवेटो फेस्टिवल में भी दिखाया जाएगा, जिसका आयोजन 22 जून, 2024 से 30 जून, 2024 तक होगा।

मुंबई यूनिवर्सिटी पीजी एडमिशन की डेट बढ़ी

एजेंसी | मुंबई

मुंबई। मुंबई यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एडमिशन को लेकर अहम नोटिफिकेशन जारी हुआ है। मुंबई यूनिवर्सिटी में पोस्ट ग्रेजुएशन प्रवेश रजिस्ट्रेशन की आखिरा तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। एमयू पीजी एडमिशन 2024 के लिए आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी अब 19 जून ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स और मैनेजमेंट स्टडीज में एडमिशन के इच्छुक उम्मीदवारों को ऑफिशियल वेबसाइट mu.ac.in पर एमयू पीजी प्रवेश फॉर्म जमा करना होगा।

पहले 15 जून तक थी आखिरी तारीख

मुंबई यूनिवर्सिटी पीजी एडमिशन की के लिए इससे पहले आवेदन पत्र जमा करने की आखिरी तारीख 15 जून तक थी। विभागों द्वारा दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन 20 जून तक किया जाएगा। प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 21 जून को जारी की जाएगी। जबकि उम्मीदवारों की शिकायत 25 जून तक दर्ज की जाएगी। इसमें रजिस्ट्रेशन करने के लिए नीचे दिए स्टेप्स को फॉलो करें।

पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट

नाबालिग आरोपी के बेल आर्डर में प्रक्रियागत खामियां

दो जेजेबी सदस्यों को नोटिस जारी

दोपहर संवाददाता | पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में हुए पोर्शे कार एक्सीडेंट के मामले में एक बाद एक खुलासे हो रहे हैं। जिसके चलते अब पुरे सिस्टम पर सवाल उठ रहे हैं। न्यूज़ एजेंसी पीटीआई के अनुसार किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के सदस्यों के आचरण की जांच के लिए गठित समिति ने जमानत आदेश जारी करने में प्रक्रियागत खामियां पाई हैं। गौरतलब है कि 19 मई की रात कल्याणी नगर में कुछ दोस्त पार्टी कर बाइक पर घर लौट रहे थे, इसी दौरान शराब पीकर पोर्शे कार चला रहे 17 वर्षीय नाबालिग आरोपी ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो आईटी इंजीनियरों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुर्घटना के 15 घंटे के भीतर ही किशोर न्याय बोर्ड ने नाबालिग आरोपी को सड़क सुरक्षा पर 300 शब्दों का निबंध लिखने सहित बहुत ही आसान शर्तों पर जमानत दे दी थी।

कदाचार और मानदंडों का उल्लंघन

महाराष्ट्र महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी) ने विभाग द्वारा नियुक्त किए गए जेजेबी के दो सदस्यों को नोटिस जारी कर दिया है। रिपोर्ट में 19 मई को जेजेबी के एक सदस्य द्वारा जमानत आदेश जारी करने में गंभीर खामियां और गलतियां पाई गई हैं। जमानत देने का आदेश एक सदस्य द्वारा जारी किया गया था, लेकिन दूसरे सदस्य ने अगले दिन सहमति दे दी थी। दोनों सदस्यों की ओर से कदाचार और मानदंडों का उल्लंघन पाया गया है और उन्हें इसके बारे में अवगत करा दिया गया है।

दो सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी

अधिकारी ने बताया कि जांच के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नियुक्त समिति ने किशोर न्याय बोर्ड के दो सदस्यों के बयान दर्ज किए हैं। किशोर न्याय बोर्ड में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नियुक्त दो सदस्य और न्यायपालिका से एक सदस्य होता है। अधिकारी ने बताया कि समिति का काम राज्य सरकार द्वारा नियुक्त दो सदस्यों की जांच करना था। महिला एवं बाल विकास आयुक्त डॉ. प्रशांत नारनवरे ने पुष्टि की कि जांच समिति ने रिपोर्ट सौंप दी है और कहा कि जेजेबी के दोनों सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों सदस्यों को अगले चार से पांच दिन में अपना जवाब देने को कहा गया है।

हाई कोर्ट से नाबालिग को नहीं मिली राहत

इससे पहले बुधवार को पुणे के किशोर न्याय बोर्ड ने सुधार गृह में नाबालिग की रिमांड अवधि 14 दिन के लिए बढ़ा दी थी। बोर्ड ने कहा कि नाबालिग को की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग दी जा रही है। जिसके चलते वह 25 जून तक निगरानी सुधार गृह रहेगा। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी नाबालिग को रिहा करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने नाबालिग के चाची द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि सुधार गृह में है, इसलिए उसे रिहा करने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि नाबालिग की चाची ने नाबालिग को अवैध रूप से हिरासत में रखने का आरोप लगाते हुए उसकी रिहाई के लिए याचिका दायर की थी।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार किसी युग की सबसे बड़ी घटनाएं उसके सर्वोत्तम विचार होते हैं : विलियम एच. सीवार्ड

न्यूज़ ब्रीफ

नवनिर्वाचित सांसद वायकर के बहनोई पर मामला दर्ज

मतगणना केंद्र के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने का आरोप

नितिन तोरस्कर | मुंबई

मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद रवींद्र वायकर के बहनोई पर चार जून को आम चुनाव के नतीजों की घोषणा के समय एक मतगणना केंद्र के अंदर कथित तौर पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

धारा 188 के तहत मामला दर्ज

स्थानीय वनराई पुलिस स्टेशन के प्रभारी ने कहा कि मंगेश पांडिलकर के खिलाफ बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पांडिलकर ने गोरेगांव में एक मतगणना केंद्र के अंदर कथित तौर पर मोबाइल फोन का उपयोग किया। यह वायकर के निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। मतदानकर्मी दिनेश गुरव की शिकायत पर पांडिलकर पर मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, एक निर्दलीय उम्मीदवार ने मतगणना केंद्र के अंदर पांडिलकर को प्रतिबंध के बावजूद मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए देखा और रिटर्निंग अधिकारी को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पांडिलकर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हादसा या आत्महत्या ?

कोयना एक्सप्रेस से कटकर एक बच्ची समेत 3 की मौत

दोपहर संवाददाता | मुंबई

कोल्हापुर जा रही कोयना एक्सप्रेस ट्रेन ने शुक्रवार रात तीन लोगों को कुचल दिया। इस भीषण हादसे में दो महिलाओं और एक छोटी बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। देर रात हुई इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। कुछ लोगों ने कहा कि ट्रैक पर चलते समय यह हादसा हुआ है। हालांकि अभी यह भी साफ नहीं है कि यह हादसा है या आत्महत्या? शाहूपुरी पुलिस ने इस संबंध में आगे की जांच शुरू कर दी है। ट्रेन मुंबई से कोल्हापुर रूट पर थी। कोयना एक्सप्रेस कोल्हापुर मार्केट यार्ड से छत्रपति शाहू महाराज रेलवे स्टेशन की ओर आ रही थी। तीनों ट्रैक पर थे। इस टक्कर में महिला ट्रैक के एक तरफ दूर उछलकर गिरी, जबकि दूसरी महिला और एक छोटी बच्ची रेलवे ट्रैक के दूसरी तरफ जा गिरी। पुलिस ने बताया कि ट्रेन का पहिया उनके ऊपर चढ़ जाने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

बुरी तरह से क्षत-विक्षत हुए शव

मरने वाली महिलाओं में से एक की उम्र 40 से 45 साल के बीच थी। दूसरी की उम्र 25 से 30 साल के बीच थी। दोनों के चेहरे क्षत-विक्षत हो गए हैं। पुलिस का अनुमान है कि उनके साथ जो छोटी बच्ची थी, वह 10 से 12 साल की थी। रेलवे पुलिस ने शाहपुरी पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस निरीक्षक अजय सिंदकर अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पास के विक्रम नगर के कई नागरिकों को शवों की पहचान के लिए बुलाया गया। पहचान के प्रयास जारी हैं।

दूर से भी दिखाई देती है आनेवाली ट्रेन

बताया जा रहा है की जहां ये हादसा हुआ, उस जगह से लोग आना जाना करते है, वहां से दूर से भी आनेवाली ट्रेन दिखाई देती है। जिसके कारण पटरी पार करते हुए ये हादसा कैसे हुआ, ये समझ से परे है। मृतकों में एक महिला की उम्र 40 से 45 के बीच है, दूसरी की 25 से 30 है और छोटी बच्ची की उम्र 10 से 12 साल की है। बच्ची का चेहरा पहचाना जा सकता है। पुलिस के मुताबिक़ अब इसके चेहरे से दूसरों की पहचान की जाएगी। इस हादसे में बाद शहर में खलबली मच गई है।

इस साल के अंत तक पटरी पर दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

▸▸ दो माह में फैक्ट्री से बनकर बाहर आ जाएगी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

मुंबई। मोदी सरकार 3.0 ने नए युग की अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रेनों के उत्पादन का अगले पांच साल का लक्ष्य तय कर दिया है। इसके तहत बहुप्रतिक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अगस्त में चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) से बनकर बाहर आ जाएंगी। जबकि पांच से छह माह तक ट्रॉयल के बाद देशवासी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में सफर का आनंद उठा सकेंगे। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक 300 से अधिक वंदे भारत स्लीपर व सीटिंग ट्रेनें देशभर में दौड़ने लगेंगी। वहीं, आम जनता के लिए चलने वाली 400 से अधिक अमृत भारत ट्रेनों का भी उत्पादन किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन प्रथम चरण में 130 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी। इसके पश्चात चरणबद्ध तरीके से सेमी हाई स्पीड 160-220 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलाई जाएंगी। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन दिसंबर या जनवरी में दिल्ली-कोलकाता अथवा दिल्ली-मुंबई में से किसी एक रेलमार्ग पर चलाने की संभावना है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 कोच होंगे। इसमें 10 कोच एसी-3, चार कोच एसी-2 व एक कोच एसी-1 का होगा। जबकि दो कोच एसएलआर होंगे।

'MVA को मात्र 0.3 फीसदी अधिक वोट मिले'

महाराष्ट्र बीजेपी चीफ का उद्धव ठाकरे पर निशाना

दोपहर संवाददाता | मुंबई

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एक बार फिर से महाविकास अघाड़ी पर हमला बोला है। बावनकुले ने कहा है कि महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को महज 0.3 फीसदी वोट अधिक मिले हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पार्टी गलतियों को सुधार लेगी। उन्होंने उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर भी तंज कसा है।

महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा, "लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी (MVA) को 0.3% ज्यादा वोट मिले। हमने मान लिया है कि हम अपनी गलतियां सुधार लेंगे। जहां हम कमजोर पड़े हैं, वहां अच्छे से काम करेंगे। सिर्फ इसलिए कि उन्हें 0.3% ज्यादा वोट मिले, ऐसा नहीं है इसका मतलब है कि वह (उद्धव ठाकरे) सीएम बनेंगे"।

MVA के नेता पीएम मोदी को नापसंद करते हैं-बावनकुले

उन्होंने आगे कहा, 'ये सारे दिन में सपने देखने लग गए हैं। महाराष्ट्र के लोग इसके बारे में फिर से सोचेंगे। एमवीए पीएम मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को रोकने के लिए काम कर रहा है। अगर गलती से वे सरकार बनाते हैं, तो वे अगले 5 वर्षों के लिए महाराष्ट्र को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिलने से रोकेंगे, एमवीए के लोग पीएम मोदी को नापसंद करते हैं और उन पर व्यक्तिगत हमला करते हैं।'

MVA ने लोगों के बीच झूठ बोला-चंद्रशेखर बावनकुले

इससे पहले शुक्रवार को चंद्रशेखर बावनकुले ने आरोप लगाते हुए कहा था कि महाविकास आघाड़ी ने तमाम जातियों से पीएम मोदी के खिलाफ में झूठ बोलकर वोट लिया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हम इनके झूठ का पर्दाफाश करेंगे। हमारे नेता और कार्यकर्ता राज्य की सभी लोकसभा क्षेत्रों में लोगों के बीच जाएंगे और उन्हें सही बात बताएंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि बीजेपी जल्द ही घर जोड़ो अभियान शुरु करने जा रही है। महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन को इस बार राज्य की कुल 48 सीटों में से 17 सीटों पर जीत मिली है।

ज्ञानराधा सहकारी सोसायटी धोखाधड़ी मामला

कोर्ट ने निदेशकों की गिरफ्तारी को बताया अवैध, रिहा करने के दिए निर्देश

दोपहर संवाददाता | छत्रपति संभाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर के एक कोर्ट ने धोखाधड़ी के एक मामले में बीड के ज्ञानराधा सहकारी 'मल्टी-स्टेट क्रेडिट सोसायटी' के दो निदेशकों की गिरफ्तारी को अवैध बताया। कोर्ट ने शनिवार को निर्देश दिए कि यदि वे किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं तो उन्हें रिहा कर दिया जाए। बीड पुलिस ने जमाकर्ताओं से धोखाधड़ी के आरोप में बैंक के प्रमुख सुरेश कुटे और ज्वाइंट डायरेक्टर आशीष पाटोडेकर को सात जून को पुणे के पास हिंजवडी से गिरफ्तार किया था। वे 13 जून तक पुलिस हिरासत में थे। दोनों को पिछले दो दिनों से नजरबंद रखा गया था क्योंकि आरोपियों ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं दायर की थी।

दिशा-निर्देशों का उल्लंघन

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद, माजलगांव के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी जी धर्माधिकारी ने फैसला सुनाया कि कुटे और पाटोडेकर की गिरफ्तारी "अवैध" है। उन्होंने आदेश में कहा, "यदि किसी अन्य अपराध में उनकी आवश्यकता न हो तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।" दोनों आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता अमन कचेरिया और राहुल अग्रवाल ने अदालत के समक्ष कहा कि उनके मुवक्किलों की गिरफ्तारी अवैध और कानूनन गलत है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारियां सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हैं, क्योंकि जांच अधिकारी ने गिरफ्तारी के कारण या आधार बताए बिना दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने दलील दी कि बैंक निदेशकों की पुलिस हिरासत उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। माजलगांव नगर पुलिस ने बैंक के दोनों निदेशकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 (साझा इरादा) और महाराष्ट्र जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों में) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

पुणे पुलिस ने मेफेड्रोन जब्ती का मामला NCB को सौंपा

▸▸ पुलिस ने जब्त किया था 3600 करोड़ से अधिक का ड्रग्स

दोपहर संवाददाता | पुणे

पुणे पुलिस ने मेफेड्रोन जब्ती का मामला शनिवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को सौंप दिया है। पुलिस ने 3600 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के ड्रग्स जब्ती किए जाने के महीनों बाद इस मामले की जांच एनसीबी को हस्तांतरित कर दी है। बताया जा रहा है कि यह मामला देश में मादक पदार्थों के भंडाफोड़ के सबसे बड़े मामलों में से एक है।

यह प्रक्रिया का एक हिस्सा

क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रक्रिया का एक हिस्सा है। हमें केंद्र और राज्य सरकार से मंजूरी मिली है। कोर्ट से आवश्यक अनुमति के बाद पुणे पुलिस ने जांच एनसीबी को सौंप दी है। एनसीबी मादक पदार्थों से संबंधित शीर्ष समन्वय निकाय है जो अपने क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों के माध्यम से एक प्रवर्तन एजेंसी के रूप में भी कार्य करता है। एनसीबी अधिकारी सीमा शुल्क, राज्य पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन इकाइयों के साथ मिलकर काम करते हैं।

1,836 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त

पुणे पुलिस के अनुसार, उसने फरवरी में महाराष्ट्र, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों से 3,672 करोड़ रुपये मूल्य का 1,836 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किया और मादक पदार्थ के अंतरराष्ट्रीय कारोबार के तरीके का खुलासा किया। मादक पदार्थ का उत्पादन विभिन्न शहरों में किया गया था।

पैकेट में छिपाकर लंदन भेजी थी मादक पदार्थ की खेप

पुलिस ने पहले कहा था कि गिरोह में शामिल लोगों ने दिल्ली स्थित एक कूरियर कंपनी को शामिल करके खाद्य सामग्री के पैकेट में छिपाकर मादक पदार्थ की कुछ खेप लंदन भेजी थी। पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली जिले के कुपवाड़ शहर में एक गोदाम जैसी संरचना में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ संग्रहीत किया गया था। मेफेड्रोन एक कृत्रिम मादक पदार्थ है जिसे इसके प्रभावों के कारण अक्सर 'रेव पार्टी संस्कृति' से जोड़ा जाता है। ज्यादातर युवाओं द्वारा इसका दुरुपयोग किया जाता है।

हिजाब प्रतिबंध के खिलाफ कोर्ट में याचिका

▸▸ **धर्म के आधार पर पक्षपात का आरोप**

मुंबई। मुंबई में एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स के नौ छात्रों ने कॉलेज प्रशासन द्वारा हाल ही में लागू किए गए ड्रेस कोड को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। इसमें छात्रों ने हिजाब पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की है . साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि कॉलेज प्रशासन धर्म के आधार पर पक्षपात कर रहा है. हिजाब बैन का मुद्दा पिछले साल आचार्य कॉलेज में भी चर्चा में रहा था और एक बार फिर इसके खिलाफ याचिका दायर की गई है. याचिका में कहा गया है कि ड्रेस कोड के नाम पर हिजा पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

हिजाब पहनने से रोक

ड्रेस कोड के तहत, महिला छात्रों को परिसर में हिजाब पहनने से रोक दिया गया था। याचिकाकर्ताओं में बीएससी और बीएससी (कंप्यूटर साइंस) के दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्र शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि नए ड्रेस कोड ने धार्मिक स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। याचिकाकर्ता छात्रों ने कहा कि कॉलेज के ट्रस्टी, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी कॉलेज में आयोजित होने वाले वार्षिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत में अपनी पूजा या धार्मिक अनुष्ठान करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं। लेकिन इससे याचिकाकर्ताओं को कभी कोई परेशानी नहीं हुई. इसके अलावा, छात्रों को कक्षा में टिकली, तिल, कलाई के चारों ओर धार्मिक धागे, उंगलियों पर राखी और अंगूठियां पहनने की अनुमति है। लेकिन हमें हिजाब पहनने की इजाज़त नहीं है.

अंटॉप हिल में घर का हिस्सा गिरने से दो की मौत

दोपहर संवाददाता | मुंबई

अंटाप हिल में विजयनगर इलाके में स्थित एक घर का हिस्सा ढह जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटा दिया है। शुक्रवार को देर रात बारिश की वजह से एक घर हिस्सा ढह गया। इस घटना में दो महिलाएं मलबे में दब गई थीं। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और मलबे में दबी दोनों महिलाओं को तत्काल सायन अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इन दोनों महिलाओं को मृत घोषित कर दिया है। इन दोनों की पहचान शोबादेवी मौर्य (45) और जकिरुनिसा शेख (50) के रूप में की गई है। इस मामले की छानबीन अंटॉप हिल पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

म्हाडा प्रशासन का बड़ा फैसला

दीपक पवार | मुंबई

बीडीडी चाली पुनर्विकास परियोजना में पुराने चालिस में किरायेदारों को खाली करने की सुविधा प्रदान करने और किरायेदारों की प्रतिक्रिया बढ़ाने के लिए प्रारंभिक 11 महीने के बाद पात्र किरायेदारों को मासिक किराया दिया गया था। परियोजना में अगले चरण में एक महीने के बजाय 11 महीने का संयुक्त किराया देने का निर्णय म्हाडा प्रशासन द्वारा लिया गया है। इस पुनर्विकास परियोजना की तीनों चालियों में निवासी/ अनिवासी प्लॉट धारक जिन्होंने म्हाडा से ट्रांजिशन कैंप प्लॉट के विकल्प को स्वीकार नहीं किया है, उन्हें म्हाडा द्वारा किराए का भुगतान किया जाता है। प्रारंभ में 11 माह का समेकित किराया देने के बाद संबंधित मालिकों से प्रत्येक माह का किराया देने के बजाय दोबारा 11 माह का समेकित किराया भुगतान करने की मांग की गयी. इस मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए म्हाडा के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जयसवाल ने उक्त प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.

क्या किया गया है निर्णय ?

इस निर्णय के अनुसार, यह निर्णय तीनों चालियों के पात्र भूमिधारकों पर तब तक लागू रहेगा जब तक कि उन्हें बीडीडी चल पुनर्विकास परियोजना में पुनर्वास फ्लैटों में स्थानांतरित नहीं किया जाता है। म्हाडा उन पात्र प्लॉट धारकों को कुल 11 महीने का किराया देगा जो संबंधित कार्यकारी अभियंता द्वारा प्रमाणित आत्मनिर्भर हैं। इसके अलावा, यदि संबंधित कार्यकारी अभियंता के कार्यालय द्वारा प्रमाणित अवधि 11 महीने से कम है, तो यदि उक्त किराए का भुगतान करने के बाद रहने की अवधि एक और महीने के लिए बढ़ा दी जाती है, तो एक महीने का किराया तदनुसार भुगतान करने की अनुमति होगी। कुल 11 महीने का किराया देने के बजाय, किराया प्रमाणित किया जाएगा और केवल उनके संभावित प्रवास की अवधि के लिए भुगतान किया जाएगा। पुनर्विकास परियोजना के तहत, चाली में पात्र झुग्गी धारकों को म्हाडा के संक्रमण शिविर में झुग्गियां प्रदान करके स्थानांतरित किया जाता है। 'म्हाडा' के पास वर्तमान में पात्र आवासीय लाभार्थियों को ट्रांजिट कैंप स्लैग वितरित करने की अपर्याप्त क्षमता है। इसलिए किरायेदारों को किराया लेने का विकल्प दिया गया है. यदि संबंधित पात्र आवासीय झोंपड़ी धारक ट्रांजिट कैंप आवास नहीं चाहते हैं, तो उन्हें उनके विकल्प के अनुसार म्हाडा द्वारा पच्चीस हजार रुपये का मासिक किराया दिया जाता है। चाली में पात्र अनिवासी भूमिधारकों को म्हाडा की ओर से मुआवजे के रूप में पच्चीस हजार रुपये का मासिक किराया भी दिया जाता है। म्हाडा ने उक्त किराया देना शुरू कर दिया है।

संपादकीय

बराबरी का प्रश्न

निस्संदेह, दुनिया भर में लैंगिक समानता और महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक दिये जाने के लिये विभिन्न मंचों से लगातार आवाज उठती रही है। वहीं दुनिया के कई संगठन चुनिंदा आंकड़ों के जरिये पूरी दुनिया में लैंगिक स्थिति मापने का दावा भी करते रहे हैं। यह भी तथ्य है कि सदियों तक औपनिवेशिक शासन के अधीन रहने वाले विकासशील देश विकसित देशों की महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति का मुकाबला नहीं कर सकते। फिर दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले एक देश की तुलना छोटे देश आइसलैंड से कदापि नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़े नीति-नियंताओं को आत्ममंथन का मौका जरूर देते हैं। समाज के लिये भी यह विचारणीय प्रश्न है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है। निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर संकट वास्तविक है। जो हमारी विकास योजनाओं और नीतियों के व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता बता रही है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है। हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। हालांकि, किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। लेकिन विश्व आर्थिक मंच के आंकड़े हमें आत्ममंथन का अवसर जरूर उपलब्ध कराते हैं। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं। हमें यह सोचना होगा कि पिछले बार जहां हम विश्व आर्थिक मंच की सूची में 127वें स्थान पर थे, तो इस बार दो स्थान फिसलकर 129वें स्थान पर कैसे पहुंच गए। वहीं महिला/पुरुष राष्ट्राध्यक्षों की समानता के मामले में हम आज दसवें स्थान पर हैं। ऐसा नहीं है कि समाज की पुरुषवादी सोच में बदलाव नहीं आया। लेकिन बदलाव की गति धीमी है। निस्संदेह, आजादी के मुकाबले स्थितियां बहुत बदली हैं, लेकिन ये प्रगति संतोषजनक नहीं है। दरअसल, समाज में पुरुष वर्चस्व की मानसिकता को बदलने की जरूरत है। विश्वास किया जाना चाहिए कि बराबरी के सवाल पर हमारी पहल देर-सवेर रंग जरूर लाएगी।

शख्सियत | हेमंत कुमार

मखमली आवाज और धुनों के जादूगर

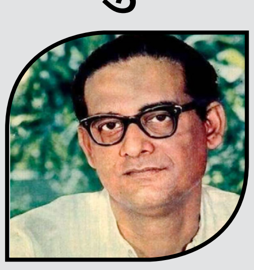

हेमंत कुमार उर्फ हेमंत मुखर्जी हिंदी और बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के एक गायक, संगीतकार और निर्माता थे। वह 1950 और 1960 के दशक में बॉलीवुड में हेमंत कुमार के गाने सबसे ज्यादा सुने और गुनगुनाए जाते थे। पर आज भी हेमंत कुमार के मखमली आवाज का जादू लोगों के जहन में बरकरार है। उन्होंने अपने करियर में लगभग 2000 गाने रिकॉर्ड किए।

16 जून 1920 को बनारस (वाराणसी) में जन्मे हेमंत कुमार का परिवार मूल रूप से पश्चिम बंगाल के बहारू का रहने वाला था। उनके तीन भाई और एक बहन थी। जब वे छोटे थे तो उनका परिवार कलकत्ता आ गया। वहां वे बड़े हुए और भवानीपुर के मित्र इंस्टीट्यूशन स्कूल में पढ़ाई की। इंटरमीडिएट से स्नातक करने के बाद, उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय में दाखिला लिया और इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। संगीत के प्रति हेमंत कुमार की रुचि होने के बाद उन्होंने 1933 में ऑल इंडिया रेडियो में अपना पहला गाना गाया था। उस समय वह केवल 13 वर्ष के थे। उनका मूल प्रशिक्षण इंजीनियरिंग में था, पर दूसरी फील्ड के प्रति उनके लगाव को देखते हुए उन्हें विश्वविद्यालय से बाहर कर दिया। प्रारंभ में उन्होंने लेखन में हाथ आजमाया। यहां तक कि उन्होंने एक प्रमुख बंगाली पत्रिका में एक लघु कहानी प्रकाशित करने में भी कामयाबी हासिल की। लेकिन बाद में उन्होंने संगीत की दुनिया में आने का फैसला किया। संगीत की प्रारंभिक शिक्षा हेमन्त कुमार ने एक बंगला संगीतकार शैलेश दत्त गुप्ता से ली थी। उन्होंने उस्ताद फ़ैयाज ख़ान से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा भी ली। 1937 में शैलेश दत्त गुप्ता के संगीत निर्देशन में एक विदेशी संगीत कंपनी 'कोलंबिया लेबल' के लिए हेमन्त कुमार ने ग़ैर-फ़िल्मी गीत गाए। इसके बाद हेमन्त कुमार ने लगभग हर वर्ष 'ग्रामोफ़ोनिक कंपनी ऑफ़ इंडिया' के लिए अपनी आवाज़ दी। 'ग्रामोफ़ोनिक कंपनी' के लिए ही 1940 कमलदास गुप्ता के संगीत निर्देशन में हेमन्त कुमार को अपना पहला हिन्दी गीत 'कितना दुःख भुलाया तुमने' गाने का मौका मिला। जबकि 1941 में प्रदर्शित एक बंगला फ़िल्म के लिए उन्होंने अपनी आवाज़ दी। वर्ष 1944 में एक गैर फ़िल्मी बंगला गीत के लिए भी उन्होंने संगीत दिया। इसी वर्ष पंडित अमरनाथ के संगीत निर्देशन में उन्हें अपनी पहली हिन्दी फ़िल्म 'इरादा' में गाने का मौका मिला। इसके साथ ही 1944 मे रवीन्द्रनाथ ठाकुर के रवीन्द्र संगीत के लिए हेमन्त कुमार ने 'कोलंबिया लेबल कंपनी' के लिए गाने रिकॉर्ड किए। 1947 में बंगला फ़िल्म 'अभियात्री' के लिए उन्होंने बतौर संगीतकार काम किया। इस बीच हेमन्त कुमार 'भारतीय जननाट्य संघ' के सक्रिय सदस्य के रूप में भी काम करने लगे।

खेती लाभकारी बनी तो रुकेगा युवाओं का पलायन

देविंदर शर्मा

पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण मज़दूरी स्थिर है या घटती रही है, और खेती घाटे का सौदा बनी हुई है। ऐसे में चुनावी नतीजों में किसानों का मोहभंग निश्चित रूप से झलकता है। सत्तासीन दल को न केवल किसानों के प्रति उपेक्षा और उदासीनता बल्कि उनके विरोध-प्रदर्शनों के समक्ष मनमानी और पुलिस दमन का भी परिणाम भुगतना पड़ा। बताते हैं कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में किसानों के प्रभाव वाले कम से कम 38 संसदीय सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की दिक्कतों को स्वीकार किया, जब उन्होंने परिणाम के बाद भाजपा मुख्यालय में विजय भाषण में कहा : 'हम बीजों की खरीद के स्तर से लेकर बाज़ारों में बिक्री के स्तर तक कृषि को आधुनिक बनाने के कार्य को प्राथमिकता देते रहेंगे। दालों से लेकर खाद्य तेलों तक, हम अपने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम करेंगे।' लेकिन आगे बढ़ने से पहले, मुझे लगता है कि पहले यह समझना ज़रूरी है कि कृषि संकट नाकाफी आधुनिकीकरण के कारण है या इसलिए है कि कृषि को जान-बूझकर दरिद्र रखा गया है। हम किसानों को गारंटीशुदा कीमत न देने के सवाल पर आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते, ताकि पहले आजीविका के गंभीर मुद्दों पर ध्यान दिया जा सके। इसे समझाने के लिए हरियाणा का उदाहरण दिया जा सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता

कि हरियाणा ने कृषि उत्पादन के मामले में प्रभावशाली प्रदर्शन करने के लिए निश्चित रूप से लंबी छलांग लगाई है। न केवल खाद्यान्न में आत्मनिर्भर होने के कारण बल्कि इसने विभिन्न कृषि जिंसों में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। कई साल तक हरियाणा केंद्रीय भंडार में सरप्लस गेहूं और चावल का दूसरा सबसे बड़ा योगदान करने वाला राज्य रहा है। अब भी, सेंट्रल पूल में अतिरिक्त फूड स्टॉक आपूर्ति में इसका हिस्सा 16 फीसदी है। कई विशेषज्ञ कहेंगे कि इसका समाधान फसल विविधीकरण में है। परंतु जो बात बड़ी आसानी से नजरअंदाज कर दी जाती है वो यह कि विविधीकरण के लिए पहली जरूरत है यह यकीनी बनाना कि मुहैया कराये जा रहे विकल्पों से होने वाली शुद्ध प्राप्ति किसानों को गेहूं और धान फसल चक्र से होने वाली कमाई से कम न हो। हालांकि किसानों को गेहूं और धान पर एमएसपी मिलता है, लेकिन यह अपेक्षित लागत और लाभप्रदता के अनुरूप नहीं होता है। किसी भी हालत में पहला कदम तो स्वामीनाथन कमीशन के फॉमूले के अनुसार कीमत गारंटी यकीनी बनाना होना चाहिये। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सघन खेती की पद्धतियों के चलते कृषि कार्यों में स्थिरता का संकट है, लेकिन दशकों से कृषि आय में उतरोतर तीव्र गिरावट ने खेती को अलाभकारी बना दिया है। यह बात बड़े ही आराम से छुपा दी जाती है। हाल ही के वर्षों में हरियाणा के युवाओं में पैदा हुई प्रवास की ललक ग्रामीण परिवेश में छाये संकट का सबूत है। किसी भी गांव में चले जाइये, आपको किस्से सुनने को मिलेंगे कि विदेश के सपनों को पूरा करने के लिए जमीन बेची जा रही है। खेती से ज्यादा कुछ नहीं प्राप्त हो रहा, और शहरों में जॉब के अवसर सीमित होने के चलते किसानों के पास जमीन बेचकर अपने बच्चों को विदेश भेजने के अलावा विकल्प कम ही बचता है। यहां तक कि बच्चों को विदेश भेजने का क्रेज अनुसूचित जाति के परिवारों में भी बढ़ रहा है, जिनमें से कई ने तो बच्चों को बाहर भेजने के लिए भारी-भरकम कर्ज भी लिया है। कैथल जिले के धेरड़ू गांव के 70 वर्षीय किसान मीडिया को गर्व से बताते हैं, 'हमारे गांव से ज्यादातर लड़के जा चुके हैं। यहां पीछे केवल उनके अभिभावक ही रहते हैं। हमारे गांव में कुल 1100 वोट हैं। और यदि सभी लोग वोट डालें तो भी 800 से अधिक नहीं बनेंगी। बाकी तो बाहर चले गये हैं।' जगह-जगह लगे दिखाई दे रहे आइल्ट्स कोर्सेज के साइन-बोर्ड, और युवाओं को झटपट वीसा व रोजगार दिलाने को लेकर लुभाते बिलबोर्ड्स एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। विदेश में रोजगार की ललक यहां तक है कि हरियाणा से बड़ी तादाद में उम्मीदवार युद्ध ग्रस्त इस्राइल में कम वेतन वाली नौकरियों के लिए पहुंचे, बावजूद इस जानकारी के कि वहां उनकी जान का खतरा है। यहां तक कि जान जोखिम में डालने वाली नौकरियों के लिए भी बेताबी साफ नजर आती है। निश्चित तौर पर कोई असहमत हो सकता है परंतु यह परेशान करने वाला प्रवास का रुझान पलट सकता था यदि कृषि आर्थिक तौर पर व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम के रूप में उभर जाती। दरअसल, हर कोई कृषि में स्थिरता और आर्थिक जीवनी-शक्ति के संकट से बाहर निकलने के समाधान के तौर पर फसल विविधीकरण की बात करता है, लेकिन यह किसानों के लिए कारगर नहीं हो रहा है। भिवानी जिले के तोशाम निवासी एक टमाटर उत्पादक हैं रमेश पंघाल। वे करीब 42 एकड़ में टमाटर की खेती करते हैं जिसमें से अधिकांश जमीन ठेके पर ली गयी है। उनके द्वारा प्रदर्शित उद्यमिता के तरीके के चलते वे हरियाणा के टमाटर किंग के तौर पर विख्यात हैं। कुछ ही दिन पहले, उन्होंने नई दिल्ली की गाजीपुर सब्जी मंडी में टमाटर की 351 पेटियां बेचीं जिनमें प्रत्येक में 26 किलो टमाटर थे। कुल मिलाकर, उन्होंने उस दिन 9,126 किलो टमाटर बेचे। उन्हें मिलने वाले कुल मूल्य में से टमाटर तोड़ने, परिवहन और मंडी के खर्चों को घटाने के बाद उन्हें केवल 1.48 रुपये प्रति किलो का शुद्ध लाभ हुआ। ऐसे वक्त जब एक उपभोक्ता टमाटर की प्रति किलोग्राम करीब 40 रुपये कीमत औसतन अदा करता है, रमेश का गुस्सा फूटता है। वे मुझसे पूछते हैं, 'बताइये, कैसे आप एक किसान से गुजारा करने की उम्मीद करेंगे', आगे कहते हैं : 'विविधीकरण के बारे में बात करने का फैशन हो गया है। सरकारी अधिकारी किसानों को विविधता के लिए गेहूं-धान के टमाटर समेत दूसरे विकल्प अपनाने को प्रेरित करते हैं। परंतु यदि टमाटर की खेती करने से मुझे यही शुद्ध आय प्राप्त होती है, और ऐसा भी नहीं हो कि दूसरी फसलें इतनी आमदन नहीं देती हों तो किसानों को विविधीकरण किसलिए करना चाहिये?'

सहज योग

समझदारी और प्यार भरा व्यवहार

समाज जब टूटता जाएगा, तो बच्चे भी टूटते जाएंगे। उनके अंदर भी गलत-गलत चीजें आ जाएंगी और वो भी रास्ते पर नहीं आएंगे। और जिस घर में डिसप्लीन नहीं होगा, उसके बच्चे खराब हो जाएंगे।

इस तरह से करने से उस पर जो संकट आने हैं वो आते हैं और पत्नी कितने भी वो संकट झेल लें तो भी उसका कुछ कह नहीं सकते है, क्योंकि अगर आप घर के स्त्री को सताएंगे तो वहां पर देवताओं का रमण नहीं हो सकता है। घर की औरतों को जिद नहीं करनी चाहिए। पति को खुश रखना चाहिए। घर द्वार को ठीक रखना चाहिए। ये तो बात सही है, पर सबसे बड़ी बात यह है कि घर की गृहलक्ष्मी जो है वो घर की शक्ति है। इसलिए उससे एक तरह की बड़ी गहरी एकाकारिता साध्य करनी चाहिए। जब यह बिबूना हो जाता है तो औरत भी एक तरह से समझदारी छोड़ के और नाराज हो जाती है। कभी -कभी बहत ज्यादा विस्फोटक होती है। कभी झगड़ा करती है। उससे बच्चों पर बुरा असर आता है और फिर समाज टूटने लग जाता है। समाज जब टूटता जाएगा, तो बच्चे भी टूटते जाएंगे। उनके अंदर भी गलत-गलत चीजें आ जाएंगी और वो भी रास्ते पर नहीं आएंगे। और जिस घर की मे डिसप्लीन नहीं होगा, उसके बच्चे खराब हो जाएंगे। उसका समाज खराब हो जाएगा। आज विलायत में क्या हो रहा है। वहां की स्त्री इसके जिम्मेदार नहीं समझती है कि उसको समाज को बनाए रखना है, समझदारी से रहना है और पूरे समय लड़ती रहती है। लड़ने, झगड़ने से कभी भी घर में शांति नहीं आ सकती है। शांति लाने के लिए क्या करना है? पति से सुझाव करना है। उससे बात करनी है कि आखिर, क्या बात है? क्यों न हम दोनों प्रेम के साथ रहे। जिससे हमारे बच्चे ठीक हो जाए। परदेश में कुछ भी सीखने का नहीं है क्योंकि उनका समाज बिल्कुल विचलित हो गया है। एक-एक औरत है वहां आठ- आठ शादी करती है और रईस हो जाती है । उसको बस पैसे की लालच है। वो अपनी सामाजिक स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है। वो यह नहीं सोचती है कि हमारा समाज, मेरे सिर पर बैठा हुआ है। आज भी हिन्दुस्तान में इतना कुछ बिगड़ा नहीं है। उसका कारण है कि माताएं अच्छी है। पर माताओं को भी जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। उसे समझाना चाहिए, उससे दोस्ती करनी चाहिए और उनको अपने बराबर समझ कर के और ठीक रास्ते पर रखना चाहिए । गर हमारा समाज ठीक हो जाए, तो जो दुविधाओं में हम पड़े हुए हैं, जो हमारे, जो हम सुनते हैं कि खून खराबा हो रहा है, बॉम्ब फट रहे हैं, फलाना हो रहा है। इस तरह से आशंकित जीवन जो हमारे ऊपर लग गया है उसका कारण है, इन लोगों की माएं। उनकी मांओं ने गर इन बच्चों को ठीक से रखा होता, तो आज वो इस तरह से बेकाबू नहीं होते। इस तरह से गंदे काम नहीं करते। उनको एक तरह से ऐसा जीवन मिल जाना चाहिए कि जो अत्यंत पवित्र हो और अपनी पवित्रता को वो हमेशा माने और उसकी स्वच्छता रखे। जब जीवन पवित्र होगा, तभी आपकी शक्ति जो है, वो चलेगी नहीं तो शक्ति खत्म हो जाएगी, तो यही सोचना चाहिए कि शक्ति का आधार पवित्रता है और उसमें जब पवित्रता नहीं रह जाएगी।

जीवन ऊर्जा

चित्तरंजन दासः निधन- 16 जून 1925

अवसान

हमारी महत्वाकांक्षाएं साम्राज्य के हित के साथ जुड़ी हुई हैं

चित्तरंजन दास का जन्म 5 नवंबर 1870 को कोलकाता में हुआ। चित्तरंजन दास महान देशभक्त, राष्ट्रवादी, राजनीतिज्ञ और कवि थे। उन्होंने कई बड़े स्वतंत्रता सेनानियों के मुकद्दमे भी लड़े। 16 जून 1925 को को तेज बुखार के कारण उनका निधन हो गया।

हम तब स्वतंत्रता के लिए खड़े होते हैं, क्योंकि हम अपने स्वयं के व्यक्तित्व को विकसित करने के अधिकार का दावा करते हैं और अपनी खुद की रेखाओं के साथ अपनी नियति को विकसित करते हैं, जो कि पश्चिमी सभ्यता हमें सिखाती है और पश्चिम द्वारा लगाए गए संस्थानों से अप्रभावित है।

हम यह नहीं भूल सकते कि हम एक साम्राज्य के बीच कई वर्षों से रह रहे हैं और रह रहे हैं। हम यह नहीं भूल सकते कि भारत के अलग-अलग प्रांत धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं और एक नई राष्ट्रीयता जिसमें न केवल अलग-अलग प्रांत शामिल हैं, बल्कि पूरा भारत हमारे बीच बढ़ रहा है और हम यह नहीं भूल सकते कि हमारे हित, हमारे स्वार्थ भी, हमारी आशाएं, हमारी महत्वाकांक्षाएं साम्राज्य के हित के साथ अटूट रूप से जुड़ी हुई हैं। आईसीएस परीक्षा के लिए इंग्लैंड गए लेकिन वे अपने प्रयास में असफल रहे और न्यायविद बनने का फैसला किया। वे नेताजी सुभाषचंद्र बोस के राजनीतिक मार्गदर्शक थे। स्वराज का मतलब है कि हमें अपने भीतर रहना चाहिए, हमें आत्मनिर्भर होना चाहिए। मैं तुमसे कहता हूं कि हम आज बड़े गुलाम हैं। हमारी आर्थिक गुलामी हमारी राजनीतिक गुलामी से बड़ी है। मैनचेस्टर से हर साल 60 करोड़ रुपए का कपड़ा आता है। भारत से बाहर जाने वाले ये 60 करोड़ रुपए आपको नहीं देने पड़ेंगे। यदि कोई गृहस्थ वर्ष के अंत में दिन में एक या दो घंटे चरखे से काम करता है तो वह अपने परिवार की सभी आवश्यकताओं के साथ खुद को पाएगा।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हमारे शास्त्रों में शयन के भी नियम बताए हैं

हमारे शास्त्रों में मुनष्य की दिन चर्या के बारे में सुबह से लेकर रात में सोते तक के नियमों का वर्णन मिलता है। शास्त्रों के अनुसार रात में जब दिनभर की थकान को दूर करने के लिए हम शयन करने जा रहे होते हैं तो कब और कैसे शयन करना चाहिए, कहां शयन करना चाहिए और कहां नहीं। यशस्वी, निरोग और दीर्घायु जीवन के लिए सोते समय इन बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

मनुस्मृति में कहा गया है कि सूने तथा निर्जन घर में अकेला नहीं सोना चाहिए। देव मन्दिर गर्भगृह और श्मशान भूमि में भी नहीं सोना चाहिएविष्णुस्मृति के अनुसार, किसी सोए हुए मनुष्य को भूलकर भी अचानक नहीं जगाना चाह चाणक्यनीति के अनुसार, विद्यार्थी, नौकर और द्वारपाल यदि ये अधिक समय से सोए हुए हों तो इन्हें समय पर तुरंत जगा देना चाहिए।- देवीभागवत एवं पद्मपुराण में कहा गया है कि- स्वस्थ मनुष्य को आयुरक्षा हेतु ब्रह्ममुहुर्त में उठना चाहिए। बिल्कुल अंधेरे कमरे में नहीं सोना चाहिए। अत्रिस्मृति के अनुसार, भीगे गीलेपैर

कभी नहीं सोना चाहिए। सूखे पैर सोने से लक्ष्मी धन की प्राप्ति होती है। महाभारत के अनुसार, टूटी खाट पर तथा जूठे मुंह भूलकर भी नहीं सोना चाहिए।गौतम धर्म सूत्र के अनुसार, ‍नग्न होकर/निर्वस्त्र‍ नहीं सोना चाहिए।आचारमयूख में लिखा है कि- पूर्व दिशा की ओर सिर करके सोने से विद्या, पश्चिम की ओर सिर करके सोने से प्रबल चिन्ता, उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व मृत्यु तथा दक्षिण की ओर सिर करके सोने से धन व आयु की प्राप्ति होती है।दिन में कभी नहीं सोना चाहिए। परन्तु ज्येष्ठ मास में दोपहर के समय 1 मुहूर्त 48 मिनट के लिए सोया जा सकता है। दिन में सोने से रोग घेरते हैं तथा आयु का क्षय होता है ब्रह्मवैवर्तपुराण के अनुसार, दिन में तथा सूर्योदय एवं सूर्यास्त के समय सोने वाला रोगी और दरिद्र हो जाता है। सूर्यास्त के एक प्रहर लगभग 3 घण्टे के बाद ही शयन करना चाहिए। बायीं करवट सोना स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है। दक्षिण दिशा में पांव करके कभी नहीं सोना चाहिए। यम और दुष्ट देवों का निवास रहता है। कान में हवा भरती है। मस्तिष्क में रक्त का संचार कम को जाता है, स्मृति- भ्रंश, मौत व असंख्य बीमारियां होती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

ज़िन्दगी के पत्थर, कंकड़ और रेत

Philosophy के एक professor ने कुछ चीजों के साथ class में प्रवेश किया। जब class शुरू हुई तो उन्होंने एक बड़ा सा खाली शीशे का जार लिया और उसमे पत्थर के बड़े-बड़े टुकड़े भरने लगे। फिर उन्होंने students से पूछा कि क्या जार भर गया है ? और सभी ने कहा "हाँ"। तब प्रोफ़ेसर ने छोटे-छोटे कंकडों से भरा एक box लिया और उन्हें जार में भरने लगे। जार को थोडा हिलाने पर ये कंकड़ पत्थरों के बीच settle हो गए। एक बार फिर उन्होंने छात्रों से पूछा कि क्या जार भर गया है? और सभी ने हाँ में उत्तर दिया। तभी professor ने एक sand box निकाला और उसमे भरी रेत को जार में डालने लगे। रेत ने बची-खुची जगह भी भर दी। और एक बार फिर उन्होंने पूछा कि क्या जार भर गया है? और सभी ने एक साथ उत्तर दिया , " हाँ" फिर professor ने समझाना शुरू किया, " मैं चाहता हूँ कि आप इस बात को समझें कि ये जार आपकी life को represent करता है। बड़े-बड़े पत्थर आपके जीवन की ज़रूरी चीजें हैं- आपकी family,आपका partner,आपकी health, आपके बच्चे – ऐसी चीजें कि अगर आपकी बाकी सारी चीजें खो भी जाएँ और सिर्फ ये रहे तो भी आपकी ज़िन्दगी पूर्ण रहेगी। ये कंकड़ कुछ अन्य चीजें हैं जो matter करती हैं- जैसे कि आपकी job, आपका घर, इत्यादि। और ये रेत बाकी सभी छोटी-मोटी चीजों को दर्शाती है। अगर आप जार को पहले रेत से भर देंगे तो कंकडों और पत्थरों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। यही आपकी life के साथ होता है। अगर आप अपनी सारा समय और उर्जा छोटी-छोटी चीजों में लगा देंगे तो आपके पास कभी उन चीजों के लिए time नहीं होगा जो आपके लिए important हैं। उन चीजों पर ध्यान दीजिये जो आपकी happiness के लिए ज़रूरी हैं।बच्चों के साथ खेलिए, अपने partner के साथ dance कीजिये। काम पर जाने के लिए, घर साफ़ करने के लिए,party देने के लिए, हमेशा वक़्त होगा। पर पहले पत्थरों पर ध्यान दीजिये – ऐसी चीजें जो सचमुच matter करती हैं । अपनी priorities set कीजिये। बाकी चीजें बस रेत हैं।"

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

आंतरिक शक्ति की करें खोज, अद्भुत क्षमता को करें अनलॉक

अपनी आंतरिक शक्ति की खोज करना अपने भीतर छिपे खजाने को खोजने जैसा है। यह आपको चुनौतियों से पार पाने की ताकत, अपने सपनों को पूरा करने का आत्मविश्वास और असफलताओं से उबरने की लचीलापन देता है। कुछ आसान टिप्स के साथ, आप इस अद्भुत क्षमता को अनलॉक कर सकते हैं और अपने जीवन को बदल सकते हैं। आइए जानें कि अपनी आंतरिक शक्ति का उपयोग कैसे करें!

नीलम रामअवध

1. खुद पर विश्वास रखें

आत्म-विश्वास आंतरिक शक्ति की नींव है। अपनी ताकत और उपलब्धियों को पहचानकर शुरुआत करें। एक डायरी रखें जिसमें आप उन चीजों को लिखें जिनमें आप अच्छे हैं और उन पलों को जब आपने सफलता पाई है। खुद को हर दिन याद दिलाएं कि आप सक्षम और मजबूत हैं।

2. स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें

स्पष्ट, प्राप्त करने योग्य लक्ष्य होने से आपको दिशा और उद्देश्य मिलता है। अपने लक्ष्यों को छोटे-छोटे चरणों में बांटें और उन्हें एक-एक करके पूरा करें। इससे बड़े काम कम भारी लगते हैं और आपको अपनी प्रगति को ट्रैक करने में मदद मिलती है।

3. सकारात्मक रहें

एक सकारात्मक सोच आपके जीवन को बदल सकती है। हर परिस्थिति में अच्छाई पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें, तब भी जब हालात कठिन हों। अपने आस-पास ऐसे सकारात्मक लोगों को रखें जो आपको ऊपर उठाते हैं।यह सरल आदत आपका ध्यान गलत से सही पर केंद्रित कर सकती है।

4. माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास करें

माइंडफुलनेस और मेडिटेशन आपको शांत और केंद्रित रहने में मदद करते हैं। हर दिन कुछ मिनट चुपचाप बैठकर अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। अगर आपका मन भटकता है, तो उसे धीरे से अपनी सांसों पर वापस लाएं। यह अभ्यास तनाव को कम कर सकता है और वर्तमान में रहने और स्पष्ट निर्णय लेने की आपकी क्षमता में सुधार कर सकता है।

5. नियमित रूप से व्यायाम करें

शारीरिक गतिविधि आपकी आंतरिक शक्ति को बढ़ाने का एक शक्तिशाली तरीका है। व्यायाम से एंडोर्फिन निकलता है, जो प्राकृतिक मूड लिफ्टर है। यह तनाव और चिंता को कम करने में भी मदद करता है। कोई ऐसी गतिविधि खोजें जो आपको पसंद हो, चाहे वह चलना हो, योग हो, नृत्य करना हो या कोई खेल खेलना हो।

6. जाने देना सीखें

क्रोध, आक्रोश या पछतावे जैसी नकारात्मक भावनाओं को पकड़कर रखना आपकी आंतरिक शक्ति को खत्म कर सकता है। जो आप नियंत्रित नहीं कर सकते, उसे जाने देना सीखें। दूसरों और खुद को माफ़ करें। इसका मतलब यह नहीं है कि आप जो हुआ उसे भूल जाएं या उसे अनदेखा करें; इसका मतलब है कि आप अपने ऊपर नकारात्मक पकड़ को छोड़ने का विकल्प चुन रहे हैं।

7. स्वस्थ रहें

आपका शारीरिक स्वास्थ्य सीधे आपके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। संतुलित आहार लें, पर्याप्त नींद लें और खूब पानी पिएं। ऐसे पदार्थों से बचें जो आपके निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं और आपके मूड को प्रभावित कर सकते हैं, जैसे अत्यधिक शराब या जंक फूड।

8. मजबूत संबंध बनाएं

एक सपोर्ट सिस्टम होना बहुत ज़रूरी है। अपने आस-पास ऐसे लोगों को रखें जो आपकी परवाह करते हैं और आपके विकास में सहायता करते हैं। अपने विचारों और भावनाओं को भरोसेमंद दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ साझा करें। मजबूत, सकारात्मक संबंध बनाना कठिन समय के दौरान आराम और प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है।

9. सीखते रहें

कभी भी सीखना और बढ़ना बंद न करें। किताबें पढ़ें, कोर्स करें या नए कौशल सीखें। अपने दिमाग को सक्रिय और व्यस्त रखने से आत्मविश्वास और लचीलापन बढ़ाने में मदद मिलती है। ज्ञान शक्ति है, और जितना अधिक आप जानते हैं, उतना ही अधिक सशक्त महसूस करते हैं।

10. दूसरों की मदद करें

दूसरों की मदद करने से आपको उद्देश्य और संतुष्टि का एहसास हो सकता है। अपना समय स्वेच्छा से दें, किसी ज़रूरतमंद की मदद करें या बस एक दयालु शब्द कहें। दयालुता के कार्य न केवल दूसरों को लाभ पहुँचाते हैं बल्कि आपके आत्म-मूल्य और आंतरिक शक्ति की भावना को भी बढ़ाते हैं।

बकरीद में लें स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद

बकरीद, जिसे ईद अल-अधा के नाम से भी जाना जाता है, भारत में बहुत धूमधाम से मनाई जाती है और इस त्यौहार में खाने की अहम भूमिका होती है। बकरीद की पाक परंपराएं मुस्लिम समुदायों की समृद्ध और विविध विरासत को दर्शाती हैं, जहां हर क्षेत्र अपने अनूठे स्वाद और व्यंजन पेश करता है। बकरीद के दौरान आमतौर पर बनाए जाने वाले कुछ खास खाद्य पदार्थ दिए गए हैं:

1. बिरयानी

बिरयानी यकीनन पूरे भारत में बकरीद की दावतों का मुख्य व्यंजन है। यह सुगंधित चावल का व्यंजन बासमती चावल, मैरीनेट किए गए मांस और केसर, इलायची और लौंग जैसे सुगंधित मसालों के मिश्रण से बनाया जाता है। हर क्षेत्र में बिरयानी की अपनी अलग-अलग किस्में होती हैं, जिनमें हैदराबादी, लखनवी (अवधी) और कोलकाता की बिरयानी खास तौर पर मशहूर हैं। धीमी गति से पकाने की प्रक्रिया, जिसे दम के नाम से जाना जाता है, यह सुनिश्चित करती है कि मांस नरम हो और स्वाद अच्छी तरह से घुल जाए।

2. कबाब

कबाब बकरीद के जश्न का एक और मुख्य व्यंजन है। ये ग्रिल्ड या कटार वाले मीट के व्यंजन कई रूपों में आते हैं, जैसे कि सीक कबाब, शमी कबाब और गलौटी कबाब। सीक कबाब कीमा बनाया हुआ मांस से बनाया जाता है, जिसमें मसाले मिलाए जाते हैं, उन्हें कटार पर आकार दिया जाता है और पूरी तरह से ग्रिल किया जाता है। दूसरी ओर, शमी कबाब कीमा बनाया हुआ मांस और छोले से बनी पैटी होती है, जिसमें मसाले डाले जाते हैं और कुरकुरा होने तक तला जाता है।

3. मटन कोरमा

मटन कोरमा एक स्वादिष्ट और मलाईदार करी है जिसे धीमी आंच पर पकाए गए मटन, दही और इलायची, लौंग और दालचीनी जैसे मसालों के मिश्रण से बनाया जाता है। इस डिश को आमतौर पर तले हुए प्याज़ और बादाम से सजाया जाता है, जो इसकी शानदार बनावट और स्वाद को बढ़ाता है। इस डिश को अक्सर नान या चावल के साथ परोसा जाता है और बकरीद की दावतों के दौरान इसे खूब पसंद किया जाता है।

4. शीर खुरमा

कोई भी बकरीद उत्सव मिठाई के बिना पूरा नहीं होता है, और शीर खुरमा एक ज़रूरी व्यंजन है। यह त्यौहारी मिठाई मीठे दूध में पकाई गई सेंवई से बनाई जाती है, जिसे खजूर, किशमिश और मेवे से सजाया जाता है। इलायची और कभी-कभी गुलाब जल से सजे शीर खुरमा स्वादिष्ट, मलाईदार और स्वादिष्ट होते हैं, जो त्यौहार की मिठास का प्रतीक हैं।

5. फिरनी

फिरनी चावल, दूध, चीनी और इलायची और केसर से बना एक मलाईदार चावल का हलवा है। इसे आम तौर पर छोटे मिट्टी के बर्तनों में ठंडा करके परोसा जाता है, जो इसके पारंपरिक आकर्षण को बढ़ाता है। मेवे और कभी-कभी खाने योग्य चांदी के पत्ते (वर्क) से सजाए गए फिरनी त्यौहार के खाने को खत्म करने का एक शानदार तरीका है।

कर्नाटक में लें सोलो ट्रिप का मजा

दक्षिण भारत का एक जीवंत राज्य कर्नाटक, अकेले छुट्टियां बिताने के लिए एक आदर्श स्थान है। अपने विविध परिदृश्यों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ढेरों गतिविधियों के साथ, यह हर तरह के यात्री के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है। यहां कर्नाटक को अकेले यात्रा पर घूमने के लिए एक गाइड दी गई है।

दिन 1-2 : बैंगलोर

अपनी यात्रा बैंगलोर से शुरू करें, जो भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में जानी जाने वाली हलचल भरी राजधानी है। अपने दिन की शुरुआत लालबाग बॉटनिकल गार्डन की यात्रा से करें, जो शहर में एक शांत नखलिस्तान है, जिसमें वनस्पतियों का विशाल संग्रह है। पास में, कब्बन पार्क हरी-भरी हरियाली के बीच एक शांतिपूर्ण विश्राम स्थल प्रदान करता है। राजसी बैंगलोर पैलेस और ऐतिहासिक टीपू सुल्तान के समर पैलेस को देखना न भूलें।

दिन 3-4 : मैसूर

बेंगलुरु से कुछ घंटों की ड्राइव आपको मैसूर ले जाती है, जो अपनी शाही विरासत और भव्यता के लिए प्रसिद्ध शहर है। मैसूर पैलेस ज़रूर जाना चाहिए, खासकर शाम के समय जब यह रोशनी से जगमगाता है। शहर के मनोरम दृश्यों के लिए चामुंडी हिल मंदिर का भ्रमण करें। जीवंत देवराज मार्केट में टहलें, जहाँ आप मसालों से लेकर रेशमी साड़ियों तक सब कुछ खरीद सकते हैं। स्थानीय स्वाद का स्वाद लेने के लिए, पारंपरिक मिठाई मैसूर पाक का स्वाद लें।

दिन 5-6 : कूर्ग

कूर्ग जाएँ, जिसे कोडगु के नाम से भी जाना जाता है, यह एक हिल स्टेशन है जो अपने कॉफ़ी बागानों, हरे-भरे परिदृश्य और सुखद जलवायु के लिए जाना जाता है। सुंदर ड्राइव का आनंद लें और पहुंचने पर, एबी फॉल्स और राजा की सीट की सुंदरता में डूब जाएं, जो घाटियों के लुभावने दृश्य पेश करता है। कॉफी के बारे में जानने के लिए कॉफी बागान पर जाएं और नामद्रोलिंग मठ को न भूलें, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, जो एक महत्वपूर्ण तिब्बती बस्ती है।

दिन 7-8 : हम्पी

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हम्पी के प्राचीन खंडहरों की ओर उत्तर की ओर यात्रा करें। अपने प्रभावशाली मंदिरों और स्मारकों के साथ यह ऐतिहासिक स्थल आपको विजयनगर साम्राज्य में वापस ले जाएगा। भारत के सबसे पुराने कार्यरत मंदिरों में से एक, विरुपाक्ष मंदिर से शुरुआत करें। विट्ठाला मंदिर को उसके प्रतिष्ठित पत्थर के रथ और संगीतमय स्तंभों के साथ देखें। शांत तुंगभद्रा नदी हम्पी के रहस्यमय आकर्षण को और बढ़ा देती है।

दिन 9-10 : गोकर्ण

अपनी यात्रा का समापन गोकर्ण की यात्रा के साथ करें, जो एक तटीय शहर है जो अपने प्राचीन समुद्र तटों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। ओम बीच और कुडले बीच पर आराम करें, या हाफ मून बीच और पैराडाइज बीच पर आराम से ट्रेक करें। हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल महाबलेश्वर मंदिर जाएं।

अकेले यात्रियों के लिए सुझाव

सुरक्षा : कर्नाटक आम तौर पर अकेले यात्रियों के लिए सुरक्षित है, लेकिन हमेशा अपने आस-पास के वातावरण के बारे में जागरूक रहें और मानक सावधानियां बरतें।

परिवहन : बस और ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। सुविधा के लिए, आप कैब किराए पर ले सकते हैं या स्कूटर/बाइक किराए पर ले सकते हैं।

ठहरें : होमस्टे, हॉस्टल या बजट होटल चुनें, जो बहुतायत में हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

वृष — किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

मिथुन — आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

कर्क — आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी।

सिंह — आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कन्या — स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

तुला — वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी।

वृश्चिक — वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं।

धनु — धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी।

मकर — बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा।

कुंभ — व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।

मीन — जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

बिना जन्म कुंडली के जानिए शुक्र ग्रह का जीवन पर प्रभाव

दोस्तों हमारे बीच बहुत सारे ऐसे लोग होते हैं जो ज्योतिष के माध्यम से अपने जीवन से जुड़ी समस्या और उनके समाधान के बारे में जानना चाह रहे होते हैं, लेकिन उनके पास जन्म समय सही ना होने के कारण जन्म कुंडली ना बन पाने की वजह से अपने जीवन पर ग्रहों के शुभ अशुभ प्रभाव और उनके समाधान के बारे में नहीं जान पाते। लेकिन जानकारी के लिए बता दें कि अगर आपके पास जन्म कुंडली नहीं भी है तो भी आपके जीवन या घर परिवार पर आने वाले प्रभाव के माध्यम से यह बताया जा सकता है कि कौन सा ग्रह आपके जीवन में समस्या दे रहा है, और अशुभता को कैसे दूर किया जा सकता है। इसी विषय पर चर्चा करते हुए आज की पोस्ट में हम शुक्र ग्रह के जीवन में प्रभाव और उपाये आपको बताएंगे।

दृष्टिकोण और भोग विलास का कारक :
शुक्र ग्रह हमारे जीवन में किसी रिश्ते या विषय वस्तु से संबंधित दृष्टिकोण का कारक है, जिस तरह एक सामान्य पुरूष से लिये एक स्त्री उसकी अच्छी मित्र, प्रेमिका या जीवनसाथी हो सकती है।वहीं काम वृत्ति में लिप्त पुरूष को वही स्त्री भोग विलास की वस्तु की तरह दिखाई पड़ती है। यह दृष्टिकोण का जो अंतर है यही शुभ और अशुभ शुक्र की जीवन के लिए परिभाषा है। जब किसी के जीवन पर शुक्र अशुभ होकर प्रभावी हो तो उसके दृष्टिकोण में भोग विलास के विषय वस्तुओं के संग्रह के प्रति सभी सीमाएं टूट जाती हैं, और वह धन की प्राप्ति के लिए मित्र और रिश्तेदारों को भी धोखा देने लगता है, नमकीन और चटपटे भोजन में रुचि बढ़ जाती है, और कुछ ही वर्षों में वह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से घिर जाता है। इसी तरह यदि शुक्र कमज़ोर भी है और अशुभ भी, तो ऐसे व्यक्ति में भौतिक सुख प्राप्ति की इच्छा तो होती है लेकिन उनकी प्राप्ति में समस्या आती है, धातु के रोग ऐसे व्यक्ति को परेशान करते हैं।

प्रियंका जैन
9769994439

घर में शुक्र की अशुभता के लक्षण : शुक्र की अशुभता के निम्न प्रभाव परिवार में आते हैं

घर में सुंदरता और सुगंधित वातावरण का अभाव होता है।

कांच की वस्तुएं जैसे कि शीशे, खिड़कियां साफ नहीं रहते।

किसी भी शुभ कार्य, खुशी के माहौल के समय झगड़े , मनमुटाव होते हैं।

ऐसे घर के सदस्यों के वस्त्र खराब होते रहते हैं। घर की महिलाएं सुखी नहीं होतीं, धन की बर्बादी होती है।

परिवार के सदस्य ही अपने निजी सुख साधनों को लेकर एक दूसरे के शत्रु बने होते हैं।

ऐसे पति पत्नी में दोस्ताना संबंध नहीं होता।

शुक्र से शुभता प्राप्ति के उपाये : शुक्र के अशुभ प्रभाव दूर करने के लिए निम्न उपाये करें

जब भी घर में कोई खुशी का अवसर हो तो मीठे के साथ नमकीन का भी दान करें।

घर के दक्षिण पूर्व दिशा में पूरे परिवार का चित्र लाल रंग के फ्रेम में शुक्रवार के दिन लगाएं।

घर में कांच की वस्तुओं (शीशे, खिड़कियां) की नियमित सफाई करें।

शुक्रवार के दिन पति पत्नी एक साथ बाहर ढाबे / रेस्टोरेंट पर भोजन करें।

काले और नीले रंग से हर तरह से परहेज़ करें, हल्के रंगों का उपयोग करें।

शरीर की सफाई रखें, धुले हुए वस्त्र धारण करें , कभी कभी दहीं भी शरीर पर लगाएं।

शुक्रवार के दिन ही एक परफ्यूम खरीदें जिसका इस्तेमाल घर के सभी सदस्य करें।

खबर संक्षेप

सिमडेगा में ट्रेलर ने बाइक सवार को लिया चपेट में, 2 की मौत

सिमडेगा : सिमडेगा में शनिवार को बड़ा सड़क हो गया। घटना कोलेबिरा थाना क्षेत्र के एनएच 143 पर स्थित मां गायत्री फ्यूल सेंटर के पास की है। जहां एक ट्रेलर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक में सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

अयोध्या से लौटते समय चलती कार में लगी आग

सारण। सारण के तरैया थाना क्षेत्र के पोखरेड़ा में शनिवार को एक चलती कार में आग लगने की घटना हुई, जिसमें एक महिला की जिंदा जलकर मौके पर मौत हो गई। वहीं महिला का पति भी जलकर घायल हो गया। मृतका की पहचान अवतार नगर थाना के गोराईपुर निवासी दीपक कुमार की पत्नी सोनी देवी के रूप में हुई है। घटना अहले सुबह 3:20 मिनट पर हुई। जानकारी के अनुसार दंपत्ति अयोध्या में दर्शन के लिए गए थे। दर्शन के बाद पति-पत्नी अपने घर लौट रहे थे। तभी कार से धुआं निकलने लगा और फिर उसमें आग लग गई, जिसके बाद दीपक कुमार ने किसी तरह गाड़ी से बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली, उसने अपनी पत्नी को भी गाड़ी से बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन असफल रहा और सोनी देवी कार के अंदर ही फंसी रह गईं। उनकी जलने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और पत्नी के शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया गया। वहीं घायल पति को भी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है।

वन विभाग के निर्माणाधीन कॉटेज का काम जुलाई में हो सकता है पूरा

रानीश्वर। दुमका जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर रानीबहाल वनक्षेत्र के अंतर्गत मसानजोर के पश्चिम बंगाल सरकार के बंगलों के पीछे धाजापाड़ा पहाड़ी पर इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग की ओर से सैलानियों को आकर्षित करने के लिए बनाये जा रहे कॉटेज का निर्माण जुलाई में पूरा होने की संभावना है। दुमका से इसकी दूरी 30 किलोमीटर, वहीं देवघर से 100 किलोमीटर तथा भागलपुर से दूरी 135 किलोमीटर है, जबकि पश्चिम बंगाल के सिउड़ी से 35 किलोमीटर व बोलपुर शांति निकेतन से 70 किलोमीटर तथा कोलकाता से करीब 250 किलोमीटर है। कार्य प्रगति पर है। पहले चरण मे 11 कॉटेज निर्माण कार्य शुरू किया गया था। बाद में एक और कॉटेज निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

हार पर योगी सरकार के कैबिनेट मंत्रियों में रार

ओपी राजभर पर अनिल राजभर का हमला

एजेंसी | मऊ

यूपी खासकर घोसी लोकसभा सीट पर सपा की जीत और सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर की हार पर योगी सरकार के दो कैबिनेट मंत्रियों में जुबानी जंग तेज हो गई है। ओपी राजभर का कल एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें राजभर ने पीएम मोदी और सीएम योगी को जनता की तरफ से नकारने की बात बोली थी। इसी को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके बेटे (अरविंद राजभर) को जो वोट मिला है वो बीजेपी का वोट है। ओपी राजभर से समाज के लोग क्यों दूर गए? इस पर उन्हें विचार करना चाहिए।

सोशल मीडिया पर वायरल

ओपी राजभर ने बलिया के रसड़ा में आयोजित सुभासपा की बैठक में बेटे अरविंद राजभर की हार का ठिकरा भाजपा पर फोड़ते हुए कहा था कि जनता ने मोदी और योगी को नकार दिया। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर ने वीडियो को फेक बताते हुए कहा था कि यह कट पेस्ट से तैयार किया गया है। इस बीच वाराणसी के सर्किट हाउस में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि ओपी राजभर खुद अपनी विधानसभा नहीं बचा सके थे। जहूराबाद से निर्दल प्रत्याशी लीलावती राजभर को 45 हजार वोट मिला था। एनडीए का प्रत्याशी वहां से 15 हजार वोटों से हार गया था। यह भी नसीहत दी कि खबर में बने रहने के लिए इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। कहा कि ये वक्त ईमानदारी से हार की समीक्षा करने का है। ओपी राजभर को ये भाषा नही बोलना चाहिए जो विरोधी बोल रहे हैं। आज पूरी दुनिया मोदी को बधाई दे रही है। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अनिल राजभर ने ओपी राजभर पर इस तरह से पलटवार किया है। अनिल राजभर इससे पहले भी ओपी राजभर का विरोध कर चुके हैं। हालांकि कहा यह भी जाता है कि ओपी राजभर की एनडीए में वापसी का न केवल अनिल राजभर विरोध कर रहे थे बल्कि यूपी भाजपा इसके खिलाफ थी। ओपी राजभर भी कई बार दिल्ली से अपनी लाइजनिंग की बातें खुलेआम बोल भी चुके हैं।

प्रेमिका से चोरी छिपे मिलना युवक को पड़ा महंगा

लड़की के घरवालों ने पीट-पीटकर की हत्या

एजेंसी | उन्नाव

यूपी के उन्नाव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक युवक को अपनी प्रेमिका से मिलना महंगा पड़ गया। जब वह मिलने पहुंचा तो युवती के परिजनों ने उसी लाठी-डंडों से पीट-पीटा। फिर उस पर धारदार हथियार से वार कर दिया। जिससे युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही युवती के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई।

क्या है मामला ?

ये घटना गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बसधना गांव का है। सहदेव सविता के 22 साल के बेटे आशीष की पड़ोसी गांव की युवती से दोस्ती थी। शुक्रवार दोपहर वह खेत में उससे मिलने पहुंचा जहां युवती के भाई ने उसे देख लिया। इस पर उसने अपने पिता को बुला लिया। दोनों ने आशीष को घेरकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया फिर कुल्हाड़ी के वार कर अधमरा कर दिया। परिजनों को पता चलने पर वह आशीष को लेकर आनन-फानन में प्राइवेट अस्पताल गए। जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे उन्नाव रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। उधर, आशीष की मौत पर उसके पिता ने बताया कि बेटे को युवती के पिता ने फोन कर बुलाया था। कोल्ड ड्रिंक पीते समय कहासुनी हो गई तो उन्होंने उसे मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में एएसपी अखिलेश सिंह ने बताया कि लड़की के पिता को हिरासत में लिया गया है, भाई की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक युवक की अगले महीने शादी थी।

शंकर सिंह ने LJPR से दिया इस्तीफा

निर्दलीय लड़ेंगे रूपौली उपचुनाव

एजेंसी | पूर्णिया

पूर्णिया की रूपौली विधानसभा सीट से विधायक रहे शंकर सिंह ने शनिवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उन्होंने रूपौली से निर्दलीय चुनाव लड़ने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वे जनता के आदेश पर चुनाव लड़ रहे हैं। वे 20 जून को नामांकन दाखिल करेंगे।

2005 में रूपौली से जीते थे चुनाव

शंकर सिंह ने अपने त्यागपत्र में पार्टी नेतृत्व के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि पार्टी ने उनके साथ उचित न्याय नहीं किया। शंकर सिंह ने कहा कि वे 2005 में रूपौली विधानसभा से विधायक का चुनाव जीते थे और पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम किया था। उन्होंने बताया कि 2010, 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें आश्वासन दिया गया था और चुनाव की तैयारी करने को कहा गया था। लेकिन फिर भी उन्हें टिकट नहीं मिला।

टिकट नहीं मिलने से हुए नाराज

शंकर सिंह ने यह भी कहा कि जनता की मांग के बावजूद उन्हें उपचुनाव में टिकट नहीं दिया गया, जिससे वे काफी निराश हैं। शंकर सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि एनडीए गठबंधन की ओर से उन्हें उम्मीदवार बनाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी निराशा के कारण उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने अपने पत्र में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया कि वे पार्टी का सम्मान करते हैं और सदैव आभारी रहेंगे।

जदयू ने कलाधर प्रसाद मंडल को दिया टिकट

बता दें रुपौली विधानसभा सीट से उपचुनाव के लिए एनडीए की तरफ से जदयू के कलाधर प्रसाद मंडल को उम्मीदवार बनाया गया है। 2020 के रुपौली विधानसभा चुनाव में भी कलाधर मंडल निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे थे। उस चुनाव में जदयू की तरफ से बीमा भारती प्रत्यक्षी थी और उन्होंने जीत हासिल की थी।

बीमा भारती के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट

दरअसल रुपौली से जदयू विधायक रही बीमा भारती ने पार्टी छोड़कर राजद का दामन थाम लिया था। इसी कारण रूरुपौली में उपचुनाव हो रहा है। उपचुनाव के लिए 21 जून तक नामांकन किया जा सकता है। 24 जून तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। 26 जून तक नाम वापसी की तारीख है, जबकि 10 जुलाई को मतदान होगा।

बहू को मौत के घाट उतारने वाले ससुर ने की खुदकुशी

एजेंसी | शेखपुरा

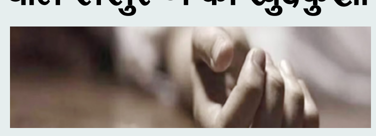

बिहार के शेखपुरा जिला अंतर्गत बरबीघा में एक ससुर ने अपनी बहू की निर्ममता से हत्या कर दी थी। वहीं छत पर सो रही बहू की छुरा घोंप कर हत्या करने वाले हत्यारोपित ससुर ने भी जहर खाकर 24 घंटे के अंदर ही आत्महत्या कर लिया। मृतक का शव लावारिस अवस्था में शनिवार की सुबह लखीसराय रेलवे स्टेशन पर पाया गया है। लखीसराय जीआरपी पुलिस ने फिलहाल शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लखीसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक घटनास्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें बहू की हत्या करने के कारणों भी जिक्र भी किया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, खराब खाना बनाने की शिकायत को लेकर मृतक का अपनी बहू से विवाद चल रहा था। चर्चा है कि पिछले 15 दिनों से लगातार अशोक सिंह को उनकी बहू के द्वारा टॉर्चर भी किया जा रहा था। इस बीच अशोक सिंह ने भयावह कदम उठा लिया और अपनी बहू की हत्या कर दी थी।

दो लोगों की गला रेतकर हत्या

अलग-अलग घटनाओं में शव मिलने से फैली सनसनी

एजेंसी | भागलपुर

भागलपुर में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की हत्या गला रेतकर कर दी गयी। शुक्रवार को इन हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। शनिवार को शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैली है। वहीं मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। इधर, जिले के शनिवार सुबह कजरैली थानाक्षेत्र के गोड्डी बहादुरपुर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में बम और गोली चली है। जिसमें पूर्व सरपंच सहित चार गिरफ्तार किए गए हैं।

गोराडीह में अधेड़ की गला रेतकर हत्या

भागलपुर जिले के गोराडीह थाना क्षेत्र के गोराडीह पहडिया स्थान फुद्दनचक बहियार में एक अधेड़ का शव बरामद होने से सनसनी फैली है। मृतक की पहचान गोराडीह पहडिया स्थान के स्व गुरुमोहन मंडल के पुत्र सुमेश मंडल(45 वर्षीय) के रुप मे हुई है। अपराधकर्मियों ने बेरहमी से गला रेतकर हत्या की है।

दिनदहाड़े हथियार के बल पर बैंक लूट

17.5 लाख रुपए लेकर फरार हुए अपराधी

एजेंसी | पटना

पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के ग्राम देवकुली स्थित एक्सिस बैंक में शनिवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि चार अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर साढ़े सत्रह लाख रुपए की लूट की है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। आस-पास मौजूद सीसीटीवी फूटेज की जांच कर अपराधियों की पहचान की जा रही है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

व्यापार जगत

देश का सबसे बड़ा IPO लाने की तैयारी में हुंडई-इंडिया

एजेंसी | मुंबई

मुंबई। साउथ कोरिया की कंपनी हुंडई की भारतीय यूनिट हुंडई मोटर इंडिया इंडियन मार्केट में अब तक का सबसे बड़ा इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने IPO लाने के लिए 15 जून (शनिवार) को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) यानी ड्राफ्ट-पेपर्स फाइल किए हैं। हुंडई मोटर इंडिया IPO के जरिए अपनी 17.5% तक की हिस्सेदारी बेचकर 2.5-3 बिलियन डॉलर यानी करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। कंपनी इस IPO में अपने टोटल 812 मिलियन (81.2 करोड़) शेयर्स में से 142 मिलियन यानी 14.2 करोड़ शेयर्स बेच रही है।

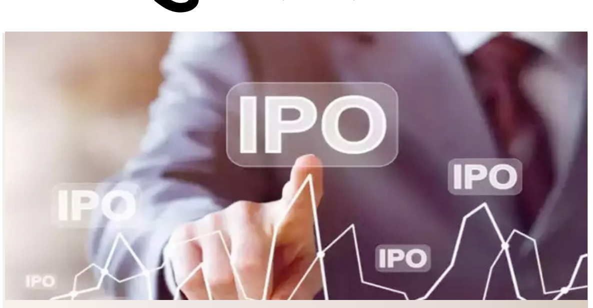

कंपनी IPO में नए शेयर्स जारी नहीं करेगी

कंपनी इस IPO में नए शेयर्स जारी नहीं करेगी। हालांकि, हुंडई इंडिया की पेरेंट हुंडई कंपनी में अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा रिटेल और अदर इन्वेस्टर्स को इस ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए बेच रही है।

जेपी मॉर्गन, Citi और HSBC को एडवाइजर बनाया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी का IPO दिवाली के आसपास यानी अक्टूबर-नवंबर में आ सकता है। इस IPO के लिए हुंडई ने इनवेस्टमेंट बैंकों जेपी मॉर्गन, मॉर्गन स्टेनली, कोटक महिंद्रा बैंक, Citi और HSBC को एडवाइजर नियुक्त किया है।

टेलीकॉम-कंपनियों ने कॉलर ID डिस्प्ले सर्विस की शुरू की टेस्टिंग

एजेंसी | मुंबई

टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ चुनिंदा स्थानों पर कॉलर आईडी सर्विस की टेस्टिंग शुरू कर दी है। सरकार और टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के दबाव के बाद कंपनियों ने टेस्टिंग शुरू की है। इसमें कॉल करने वाले नंबर के साथ-साथ नाम भी दिखाई देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेलीकॉम कंपनियों ने मुंबई और हरियाणा में लिमिटेड ट्रायल शुरू किया है। आने वाले समय में अन्य शहरों में भी ये सर्विस शुरू करने की योजना है। कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (CNAP) को स्पैम और फ्रॉड कॉल को रोकने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें हाल के दिनों में बढ़ोतरी देखी गई है।

CNP की टेस्टिंग कर रही टेलीकॉम कंपनियां

टेलीकॉम कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने TOI से कहा कि CNP कैसे काम कर रहा है इसका रिजल्ट जानने के लिए हम सीमित संख्या में इसकी टेस्टिंग शुरू कर रहे हैं। इसमें आने वाली कॉल के दौरान नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा। हम टेस्टिंग के रिजल्ट को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन के साथ शेयर करेंगे। ताकि, प्रस्तावित सर्विस के बारे में एक व्यावहारिक निर्णय लिया जा सके।

ट्रूकॉलर की तरह होगी यह सर्विस

ट्रूकॉलर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषित झुनझुनवाला ने बताया कि CNAP सर्विस कंपनी की मौजूदा कॉलर ID एप्लीकेशन की तरह ही होगी, लेकिन इससे उनके बिजनेस पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एसबीआईईपे, ईमाइग्रेट के एकीकरण के लिए एमओयू: विदेश मंत्रालय

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय और एसबीआई ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत ईमाइग्रेट पोर्टल के उपयोगकर्ताओं को एक अतिरिक्त डिजिटल भुगतान सेवा दी जाएगी। ईमाइग्रेट पोर्टल में भारतीय प्रवासी श्रमिक और भर्ती एजेंट शामिल हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि एसबीआई अपने भुगतान गेटवे एसबीआईईपे के जरिए उन्हें उक्त सेवाएं देगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह समझौता भारतीय प्रवासी श्रमिकों के सुरक्षित और कानूनी प्रवास के दायरे को और सुविधाजनक बनाएगा।

2014 में हुई थी ईमाइग्रेट परियोजना की शुरुआत

ईमाइग्रेट परियोजना की शुरुआत 2014 में हुई थी। इसके जरिए प्रवास प्रक्रिया को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया गया है। इससे प्रवासी भारतीय बीमा योजना जारी करने वाले विदेशी नियोक्ताओं, पंजीकृत भर्ती एजेंटों और बीमा कंपनियों को एक साझा मंच मिला है। समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव ब्रम्हा कुमार और एसबीआई की ओर से महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी ने हस्ताक्षर किए।

असम में वर्ष 2027 तक 3,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य: हिमंत

एजेंसी | गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य 2027 तक 3,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है। शर्मा ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में 25 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखते हुए कहा कि यह पर्यावरण के प्रति राज्य का योगदान होगा। उन्होंने कहा, 'हम पहले से ही 200 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में हैं। इस वर्ष के भीतर बाकी क्षमता के लिए काम शुरू हो जाएगा।' उन्होंने कहा कि नामरूप संयंत्र 115 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा और चालू हो जाने पर यह हरित ऊर्जा व्यवस्था की तरफ राज्य की बहुआयामी रणनीति में शामिल हो जाएगा। असम पावर जनरेशन कॉरपोरेशन और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम (जेवी) वाली इस परियोजना के जुलाई, 2025 तक पूरी होने की संभावना है।

कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित लाभ कर घटा

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को 5,200 रुपये प्रति टन से घटाकर 3,250 रुपये प्रति टन कर दिया है। अप्रत्याशित लाभ कर, विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नयी दर 15 जून से प्रभावी हो गई है। भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया। इसके साथ ही वह ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाने वाले देशों में शामिल हो गया। पिछले दो सप्ताहों के औसत तेल मूल्यों के आधार पर कर दरों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है।

अमेरिकी कोर्ट ने TCS पर 1,622 करोड़ का जुर्माना लगाया

CSC ने लगाया था ट्रेड सीक्रेट के दुरुपयोग का आरोप

एजेंसी | नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की IT कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) पर अमेरिका की एक अदालत ने 194.2 मिलियन डॉलर (करीब 1,622 करोड़) का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि नॉदर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ टेक्सास के यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने ट्रेड सीक्रेट का दुरुपयोग करने को लेकर यह जुर्माना लगाया है। TCS ने कहा कि उसके पास फैसले के खिलाफ मजबूत तर्क हैं। वह अपने हितों की रक्षा के लिए समीक्षा या अपील करने की योजना बना रही है। कंपनी को उम्मीद है कि समीक्षा याचिका और चुनौती के बाद फैसला उसके पक्ष में आने वाला है।

यह मामला कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (CSC) से जुड़ा हुआ है, जिसका अब डीएक्ससी टेक्नोलॉजी (DXC) में विलय हो चुका है। CSC ने TCS के खिलाफ ट्रेड सीक्रेट के दुरुपयोग का आरोप लगाया था।

फैसले का कंपनी के फाइनेंशियल्स और ऑपरेशन्स पर कोई खास असर नहीं

स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी के अनुसार, TCS पर 194.2 मिलियन डॉलर से ज्यादा का जो जुर्माना लगाया गया है, उसमें 56.15 मिलियन डॉलर का कम्पनसेटरी डैमेज, 11.23 मिलियन डॉलर का एक्जेम्पलरी डैमेज और 25.77 मिलियन डॉलर का प्रीजजमेंट इंटरेस्ट शामिल हैं। TCS का कहना है कि इस फैसले से उसके फाइनेंशियल्स और ऑपरेशन्स पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

नेपाल रोमांचक मुकाबले में एक रन से हारा

अगले दौर की दौड़ से हुआ बाहर

तबरेज ने चटकाए चार विकेट

एजेंसी | किंग्सटाउन

तबरेज शम्सी ने 18वें ओवर में दो रन देकर दो विकेट लेकर शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नेपाल के खिलाफ विश्व कप में उलटफेर होने से बचा लिया। नेपाल की टीम जीत से सिर्फ एक रन दूर रह गई। जीत के लिए मिले 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल सात विकेट पर 114 रन ही बना सका। इस हार के बाद उसके खिलाड़ियों और प्रशंसकों की आंखों में आंसू छलक गए। नेपाल सुपर-आठ की दौड़ से बाहर हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार चार जीत के साथ अपने ग्रुप चरण का अभियान खत्म किया।

शम्सी ने दक्षिण अफ्रीका को उलटफेर से बचाया

15 साल बाद एक रन से जीत

दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्व कप में 15 साल में एक रन से जीत दर्ज की। इससे पहले वह 2009 में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे कम रन से जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बनी थी। उसने दूसरी बार एक रन से जीतकर भारत (2) की बराबरी की। इन दोनों के अलावा न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे एक-एक रन से जीत दर्ज करने वाली अन्य दो टीमें हैं।

अंतिम ओवर में चाहिए थे आठ रन

नेपाल को अंतिम ओवर में आठ रन चाहिए थे। ओटनील बार्टमैन के ओवर की पहली दो गेंद में गुलशन रन नहीं बना पाए। तीसरी पर उन्होंने चौका जड़ा। चौथी पर उन्होंने दो रन लिए। पांचवीं गेंद में कोई रन नहीं बना। आखिरी गेंद पर जीत के लिए दो रन की जरूरत थी। गुलशन झा तेजी से रन चुराने के प्रयास में रन आउट हो गए। अगर वह एक रन भी बना लेते तो मैच सुपर ओवर तक खिंच जाता। इस हार के साथ नेपाल ने आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ 12 प्रयास में पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया।

शम्सी ने पलटा पासा

लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल की टीम एक समय जीत के करीब थी। उसे 24 गेंद पर 22 रन की जरूरत थी। फिर अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 18 रन चाहिए थे। उसने छह गेंद और एक रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। इनमें से दो विकेट स्पिनर तबरेज शम्सी (19/4) ने लेकर मैच का पासा पलट दिया। आसिफ शेख (42) और अनिल शाह (27) ने तीसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया था।

रीजा ने संभाला : दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 115 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने 43 और ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 27 रन का योगदान दिया। मार्कराम ने 15 और डिकॉक ने दस रन बनाए। नेपाल की तरफ से कुशाल भुर्तेल ने चार और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने तीन विकेट चटकाए।

'आखिर में यह बेहद करीबी मुकाबला बन गया था। मुझे लगता है की अहम मौकों पर हमने अच्छा प्रदर्शन किया। अगर हम बड़ी टीमों के खिलाफ लगातार खेलते रहे तो अगली बार हमारी जीत होगी।'

–रोहित पौडेल, नेपाल, कप्तान

न्यूजीलैंड ने चखा पहली जीत का स्वाद

युगांडा को 40 पर समेटा, 32 गेंद में नौ रन से दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी | टरूबा

पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके न्यूजीलैंड ने शनिवार को आखिरकार पहली जीत का स्वाद चख लिया। टिम साउदी (4/3) की अगुआई में गेंदबाजों ने युगांडा को 18.4 ओवर में 40 रन पर आउट कर दिया। यह विश्व कप दूसरा सबसे कम स्कोर है। युगांडा की तरफ से केनेथ वैसवा (11) ही दोहरे अंक तक पहुंचे। चार खाता भी नहीं खोल पाए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट (2/7), स्पिनर मिचेल सेंटनर (2/8), रचिन रवींद्र (2/9) और लॉकी फर्ग्युसन (9/1) सभी ने विकेट लिए। कीवियों ने सिर्फ 32 गेंद में एक विकेट खोकर नौ विकेट की बड़ी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

विश्व कप के पांच न्यूनतम स्कोर

टीम	स्कोर	बनाम	वर्ष
युगांडा	39	वेस्टइंडीज	2024
नीदरलैंड्स	39	श्रीलंका	2014
युगांडा	40	न्यूजीलैंड	2024
नीदरलैंड्स	44	श्रीलंका	2021
ओमान	47	इंग्लैंड	2024

'यह वास्तव में शानदार प्रदर्शन था। जीत दर्ज करके अच्छा लग रहा है। टूर्नामेंट से बाहर होना बेहद निराशाजनक है। हमारी टीम काफी अनुभवी है लेकिन पहले दो मैच में हम अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। पिछले 10 वर्षों में हमारा विश्व कप में शानदार रिकॉर्ड रहा है जो अब खत्म हो गया है।'

– टिम साउदी, प्लेयर ऑफ द मैच

कीवियों की सबसे बड़ी जीत

न्यूजीलैंड की 88 गेंद रहते यह टी-20 में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2007 विश्व कप में केन्या के खिलाफ 74 गेंद रहते विजय हासिल की थी। वहीं विश्व कप में यह गेंद रहते तीसरी सबसे बड़ी जीत है। चार बड़ी जीत में से तीन इसी टूर्नामेंट में दर्ज की। इंग्लैंड ने एक दिन पहले ही ओमान को 101 गेंद रहते हराया था जो रिकॉर्ड है।

पावरप्ले का सबसे कम स्कोर

युगांडा ने पावर प्ले में तीन विकेट गंवाकर सिर्फ नौ रन बनाए। यह विश्व कप के इतिहास में शुरुआती छह ओवर में किसी भी टीम का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2014 में पाकिस्तान ने विंडीज के चार विकेट पर 13 रन बनाए थे। वहीं यह टी-20 में दूसरा सबसे कम स्कोर है। रिकॉर्ड सिएरा लियोन के नाम है जिसने 2021 में पावरप्ले में नाईजीरिया के खिलाफ दो विकेट पर आठ रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड पहली टीम

न्यूजीलैंड टी-20 क्रिकेट इतिहास की पहली टीम बन गई है जिसके तीन गेंदबाजों ने अपने कोटे के सभी चार-चार ओवर फेंके और दस से कम रन लुटाए। इनमें साउदी ने तीन, बोल्ट ने सात और फर्ग्युसन ने नौ रन दिए। साउदी अपने देश के पहले गेंदबाज हैं जिन्होंने फटाफट क्रिकेट में सबसे कम रन दिए। उन्होंने डेनियल विटोरी (6 रन बनाम बांग्लादेश 2010) को पीछे छोड़ा।

यूरो 2024 : जर्मनी का शानदार आगाज

स्कॉटलैंड को 5-1 से दी पटखनी

एजेंसी | म्यूनिख

मेजबान जर्मनी ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उसने शुक्रवार देर रात खेले गए उद्घाटन मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त दे दी।

पहले हाफ में बढ़त

मेजबान जर्मनी के लिए फ्लोरियन विर्ट्ज और जमाल मुसियाला ने पहले हाफ में गोल करके जीत का मंच तैयार किया। विर्ट्ज ने दसवें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में पेनाल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर के बाद सब्सटीट्यूट निकोलस फुलक्रग ने 68वें मिनट और एमरे कैन ने इंजरी टाइम में गोल करके जर्मनी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड एंटोनियो रोडिगर के 87वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से खाता खोल पाया।

पोर्टियस को मिला रेड कार्ड

जर्मनी को विपक्षी डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण यह पेनाल्टी मिली थी, जिन्हें रेफरी ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस कारण स्कॉटलैंड को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। जर्मनी के कप्तान इल्के गुंडोगन ने मैच जीतने के बाद कहा, हम वास्तव में इसी तरह की शुरुआत चाहते थे। मैं मैच से पहले भी जीत के प्रति अश्वस्त था। हमें दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा था और हमने वैसा प्रदर्शन किया जैसा हम चाहते थे।

मेसी के दो गोल से अर्जेंटीना ने ग्वाटेमाला को हराया

लैंडओवर (अमेरिका)। लियोनेल मेसी ने नवंबर के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल ठोक दिए। इसके साथ ही एक गोल करने में सहायक की भूमिका निभाई जिससे अर्जेंटीना ने 2024 कोपा अमेरिका कप फुटबॉल के अभ्यास मैच में ग्वाटेमाला को 4-1 से हरा दिया। मेसी पूरे 90 मिनट तक मैदान पर रहे जिससे गुरुवार को ग्रुप चरण में कनाडा के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने से पहले अर्जेंटीना के हौसले बुलंद होंगे। विश्व और कोपा अमेरिका के मौजूदा चैंपियन के लिए लुटारो मार्टिनेज ने दो अन्य गोल किए। ग्वाटेमाला को मैच के चौथे मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज के आत्मघाती गोल से बढ़त मिल गई थी लेकिन आठ मिनट बाद ही मेसी ने स्कोर बराबर कर दिया। उन्होंने 77वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' में जज की कुर्सी संभालेंगी करिश्मा कपूर

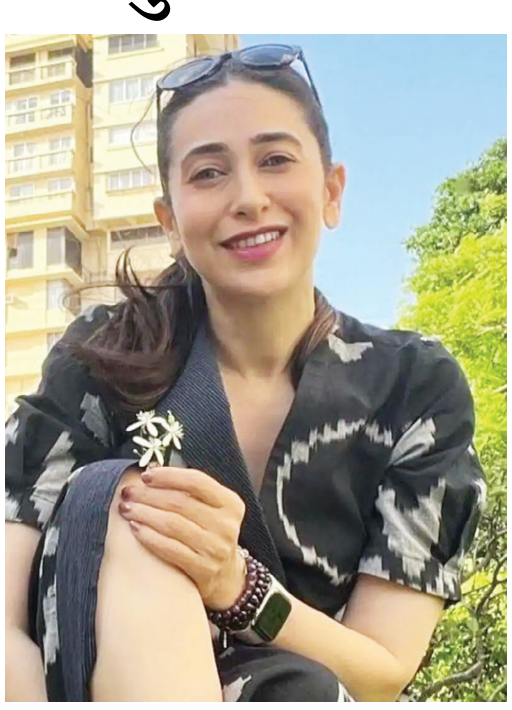

टीवी रियलिटी शोज को लेकर भी दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। इनकी लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ रही है। ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को अपने शो की ओर आकर्षित करने के लिए निर्माता भी नए-नए पैंतरे अपनाते रहते हैं। अब खबर है कि करिश्मा कपूर को 'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' में जज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खुद करिश्मा भी शो से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। करिश्मा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' के चौथे सीजन में जज की भूमिका निभाने वाली हैं। उन्होंने शो में सोनाली बेंद्रे की जगह ली है। शो के पहले और दूसरे सीजन में मलाइका अरोड़ा को शामिल किया गया था। सूत्र के मुताबिक, निर्माता इस बार एक नई बॉलीवुड अभिनेत्री की तलाश में थे। करिश्मा न सिर्फ एक बेहतरीन डांसर रही हैं, बल्कि प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता आज भी जबरदस्त है।

सूत्र ने यह भी बताया कि करिश्मा के पास जब इस शो को जज करने का प्रस्ताव आया तो उन्होंने इसके लिए फौरन रजामंदी दे दी। करिश्मा इस शो की शुरू से ही प्रशंसक रही हैं। इसी वजह से उन्होंने इसके लिए हां कहने में देर नहीं लगाई। दिलचस्प बात यह है कि करिश्मा पहले ही इस शो से गेस्ट जज के रूप में पहले जुड़ चुकी हैं। टेरेंस लुईस और गीता कपूर जज पैनल में उनके साथ दिखाई देंगी।

शाहरुख की आवाज के मुरीद हुए विजय सेतुपति

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय सेतुपति बॉलीवुड में भी अपनी जगह बना चुके हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। हालांकि, जिस एक फिल्म के लिए उन्हें विषेश चर्चा मिली वह 'जवान' थी। इस फिल्म में विजय,शाहरुख खान को टक्कर देते दिखाई दिए थे। फिल्मी पर्दे पर एक-दूसरे के दुश्मन रहे शाहरुख और विजय असल जिंदगी में काफी अच्छा रिश्ता रखते हैं। हाल ही में विजय ने शाहरुख की जमकर तारीफ की और अभिनेता की खूबियां भी गिनाईं।

'बेहतरीन कहानीकार हैं शाहरुख'– विजय

एक इंटरव्यू में विजय ने शाहरुख के बारे में बात की और अभिनेता को एक बेहतरीन कहानीकार भी बताया। विजय ने कहा, ₹मैं शाहरुख की आवाज सुनकर हैरान हूं। वह एक बेहतरीन कहानीकार हैं। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और एक ही समय पर उनका दिमाग कई काम कर सकता है। मैंने उन्हें एक इंटरव्यू में बताया था कि वह एक सितारे की तुलना में एक व्यक्ति के रूप में अधिक आकर्षक हैं।₹

'डबल आईस्मार्ट 15 अगस्त को होगी रिलीज

फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाध की फिल्म 'डबल आईस्मार्ट 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म निर्माता और चार्मी कौर के बैनर पुरी कनेक्ट्स द्वारा समर्थित इस फिल्म में तेलुगु अभिनेता राम पोथिनेनी मुख्य भूमिका में हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अभिनेता राम पोथिनेनी ने फिल्म की रिलीज की तारीख साझा की, जो पांच भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में आएगी। 'डबल आईस्मार्ट पोथिनेनी और जगन्नाध की वर्ष 2019 की साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म 'आईस्मार्ट शंकर का सीक्वल है। बॉलीवुड स्टार संजय दत्त भी इस फिल्म में काम कर रहे हैं। मणि शर्मा ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है।

दलजीत ने पति को भेजा लीगल नोटिस

महज 8 महीनों में ही एक्ट्रेस दलजीत कौर की शादी टूटने की कगार पर आ चुकी है। तलाक की खबरों के बीच दलजीत कौर और उनके पति निखिल पटेल सरेआम एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। हाल ही में दलजीत ने सोशल मीडिया के जरिए पति पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। इसके जवाब में निखिल ने दलजीत को नोटिस भेजकर लीगल एक्शन लेने की धमकी दी थी। साथ ही कहा था कि अगर एक्ट्रेस उनके केन्या स्थित घर से सामान नहीं ले जातीं, तो वो सारा सामान दान कर देंगे। इस मामले में दलजीत कौर भी अब कोर्ट पहुंच गई हैं। एक्ट्रेस दलजीत कौर ने हाल ही में पति निखिल के खिलाफ केन्या में लीगल एक्शन लिया है। तलाक की खबरों के बीच दलजीत हाल ही में केन्या गई थीं। भारत लौटकर दलजीत ने बताया है कि उन्होंने निखिल के खिलाफ एक्शन लेते हुए कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, दलजीत ने केन्या के नेरोबी शहर के मिलिमनी कोर्ट से स्टे ऑर्डर लिया है। अब निखिल न ही उन्हें और बेटे को घर से निकाल सकेंगे, न ही उनका सामान फेंक सकेंगे। मामले में 11 जून को निखिल को नोटिस भेजा गया था। मामले की अगली सुनवाई 28 जून को होगी।

थिएटर्स में फिर गूंजेंगी भारत माता की जय

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की दमदार एक्टिंग के फैंस दीवाने है। एक्टर ने साल 2023 में गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया था। अब जल्द ही वो बॉर्डर 2 से बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले है। इस मूवी में सनी पाजी एक सैनिक के रोल में नजर आएंगे। हाल ही में, एक्टर ने हिट फिल्म के सीक्वल को कंफर्म किया और अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। जी हां, आपने सही सुना बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म निर्माता जेपी दत्ता इस बात को कंफर्म किया है।

13 जून, 2024 को, जब 'बॉर्डर' के 27 साल पूरे हुए, तो फिल्म निर्माताओं ने सीक्वल की अनाउंसमेंट की। बाद में रिलीज डेट बताते हुए उन्होंने कहा, 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी उत्साह से भरे वीकेंड का वादा करने के लिए अपने कैलेंडर में डेट नोट करें पुरानी यादों और एक महाकाव्य सिनेमाई अनुभव के लिए।" बॉर्डर 2 का नया वीडियो सनी की आवाज से शुरू होती है, जिन्होंने कहा, "27 साल पहले एक फौजी ने वादा किया था कि वह वापस आएगा। उसी वादे को पूरा करने, हिंदुस्तान की मिट्टी को अपना सलाम कहने, आ रहा है। अनाउंसमेंट वीडियो में 'बॉर्डर 2' को "भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म" घोषित किया गया है। वीडियो के पीछे रूपकुमार राठोड़ और सोनू निगम का गाना 'संदेसे आते हैं' बज रहा है। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

कच्छ और द्वारका के समुद्री तटों से 100 से ज्यादा चरस के पैकेट बरामद

कच्छ। गुजरात के कच्छ और द्वारका जिलों के तटों पर पिछले कुछ दिनों में चरस के 100 से ज्यादा पैकेट मिले हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश पांडे ने बताया कि द्वारका के गांव में अब तक 50 से ज्यादा चरस के पैकेट मिल चुके हैं। इलाके में छापेमारी जारी है। पैकेटों के नमूने फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। वहीं, कच्छ SOG के अधिकारी पीपी गोहिल ने बताया कि समुद्री तटों से चरस और मेथमफेटामाइन के 29 पैकेट बरामद किए हैं। मामले में जांच जारी है।

पाकिस्तान बॉर्डर पर फायरिंग, तस्करों-पुलिस में भी मुठभेड़

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तान से लगातार ड्रग तस्करी बढ़ती जा रही है। यहां शनिवार को दो मामले सामने आए हैं। एक मामला जिले के अनूपगढ़ से सटे 13K कैलाश पोस्ट में शनिवार सुबह पौने चार बजे का है। जहां बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन से आ रही हेरोइन को फायरिंग कर अपने कब्जे में लिया। इस दौरान करीब 25 राउंड फायर किए गए।

केरल में महसूस किए गए भूकंप के झटके

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर और पलक्कड़ में शनिवार को 3.0 की तीव्रता से भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि कुन्नमकुलम, एरुमापेट्टी और पझांजी क्षेत्रों और पलक्कड़ जिले के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

नागपुर विस्फोटक निर्माण इकाई में मरने वालों संख्या हुई आठ

नागपुर। नागपुर में गुरुवार को एक विस्फोटक निर्माण इकाई में हुए धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो चुकी है। शनिवार को अस्पताल में इलाज के दौरान एक कर्मचारी ने दम तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्रद्धा वनराज पाटिल का नागपुर सिटी में इलाज चल रहा था। एक अन्य कर्मचारी प्रमोद चावरे का इलाज जारी है। इस हादसे में अबतक छह महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने यूनिट के मालिक और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है।

सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी की याचिका की खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोज की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मामले में उनकी जमानत याचिका स्थगित कर दी गई थी। न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने स्पष्ट किया कि मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग नहीं की जा सकती। पीठ ने अपने 14 जून के आदेश में कहा, विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। लंबित आवेदन भी खारिज कर दिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में फोर्स ने 8 नक्सलियों को मार गिराया

अबूझमाड़ में एक जवान शहीद, 2 हुए घायल ● 161 दिन में 141 माओवादी ढेर

एजेंसी । नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर इलाके के अबूझमाड़ में पुलिस और नक्सलियों के बीच हो रही मुठभेड़ में आठ नक्सलियों के मारे जाने की खबर है, वहीं मुठभेड़ में सेना का एक जवान भी शहीद हो गया है। सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच अभी तक मुठभेड़ जारी है। नारायणपुर जिले के माड़ इलाके में पिछले दो दिनों से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि अबूझमाड़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में अब तक कुल 8 नक्सली मारे गए हैं और ड्यूटी के दौरान सेना का एक जवान भी शहीद हो गया है। वहीं दो जवान घायल हो गए हैं।

दुर्गम इलाका है अबूझमाड़

बता दें कि अबूझमाड़ एक पहाड़ी, वन क्षेत्र है जो नारायणपुर, बीजापुर जिले और दंतेवाड़ा जिले में आता है। भौगोलिक रूप से यह काफी हद तक दुर्गम इलाका है और यह क्षेत्र माओवादियों की गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, आज सुबह अभुजमाढ़ के जंगल में उस समय गोलीबारी शुरू हो गई, जब चार जिलों - नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव के सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

161 दिन में 141 माओवादी ढेर

नक्सलियों के गढ़ बस्तर संभाग को नक्सलवाद से मुक्त कराने के लिए छत्तीसगढ़ में जवानों ने अभियान चला रखा है। लगातार नक्सलियों का एनकाउंटर हो रहा है। इससे नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर फोर्स को एक के बाद एक बड़ी कामयाबी मिल रही है। फोर्स बस्तर संभाग में डेरा जमाई हुई है। नक्सलियों की मांद में घुसकर उनसे टक्कर ले रही है। बस्तर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच फोर्स के जवान डटे हुये हैं और नक्ससियों से लोहा ले रहे हैं। बस्तर की मनमोहक और खूबसूरत प्राकृतिक वादियों से 'लाल आतंक' के साये को खत्म करने के लिए बस्तर संभाग में फोर्स मोर्चा संभाली हुई है। 161 दिन के अंदर बड़े नक्सल एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने 141 नक्सलियों को मौत के घाट उतारे हैं। इससे पूर्व 10 मई को बीजापुर में पुलिस फोर्स ने एनकाउंटर में 12 नक्सलियों को मौत की नींद सुलाई थी।

बीजेपी सांसद सुरेश गोपी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को बताया 'मदर ऑफ इंडिया'

राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने पुन्कुन्नम में करुणाकरण के स्मारक 'मुरली मंदिरम' का किया दौरा

एजेंसी । त्रिशूर

केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से सांसद और केंद्र सरकार में पर्यटन और पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने पुन्कुन्नम में करुणाकरण के स्मारक 'मुरली मंदिरम' का दौरा किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री मे भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी को 'मदर ऑफ इंडिया' कहा है। वहीं भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ने करुणाकरण और मार्क्सवादी दिग्गज ई. के. नयनार को अपना 'राजनीतिक गुरु' भी बताया है।

त्रिशूर सीट से करुणाकरण के बेटे को हराया

आपको बता दें कि त्रिशूर लोकसभा सीट से सांसद बने सुरेश गोपी ने करुणाकरण के बेटे और कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन को हराया था। हालांकि 26 अप्रैल को त्रिशूर सीट पर त्रिकोणीय लड़ाई में कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन को हार के साथ तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। वहीं करुणाकरण के स्मारक पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से आग्रह किया कि वो उनके इस दौरे का राजनीति से न जोड़ें, वो यहां अपने गुरु को नमन करने के लिए आए थे। इस मौके पर सुरेश गोपी ने कहा कि नयनार और उनकी पत्नी के.पी. शारदा की तरह ही करुणाकरण और उनकी पत्नी कल्याणीकुट्टी अम्मा के साथ उनके काफी अच्छे संबंध हैं। 12 जून को किन्नूर में नयनार के घर का दौरा करते हुए केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने उनके परिवार के साथ अपने संबंधों को फिर से स्थापित किया। वहीं सुरेश गोपी ने अपने संबोधन में कहा कि वो स्व. पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को 'भारत की मां' मानते थे, इसलिए करुणाकरण उनके लिए 'राज्य में कांग्रेस पार्टी के पिता' समान थे। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि करुणाकरण को केरल में कांग्रेस के 'पिता तुल्य' बताना दक्षिणी राज्य में पुरानी पार्टी के संस्थापकों या सह-संस्थापकों का अनादर नहीं है।

स्वाति मालीवाल मामला

विभव कुमार की न्यायिक हिरासत 22 जून तक बढ़ी

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार की न्यायिक हिरासत 22 जून तक बढ़ा दी है। कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास में स्वाति मालीवाल से मारपीट करने का आरोप है। विभव कुमार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तीस हजारी स्थित ड्यूटी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया था। अदालत ने विभव को 22 जून को फिर से कोर्ट के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। इससे पहले शुक्रवार को अदालत ने जांच अधिकारी की अनुपस्थिति को देखते हुए विभव कुमार की हिरासत एक दिन के लिए बढ़ाई थी।

18 मई को हुई थी गिरफ्तारी

विभव को 18 मई को मुख्यमंत्री आवास से गिरफ्तार किया गया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने आरोपी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा था। अदालत ने उस समय कहा था कि कुमार की गिरफ्तारी के कारण अग्रिम जमानत याचिका का कोई मतलब नहीं रह जाता।

जगनमोहन रेड्डी के अवैध निर्माण पर बुल्डोजर की कार्रवाई

एजेंसी । हैदराबाद

आंध्र प्रदेश में नई सरकार का गठन हो चुका है। तेलगू देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू राज्य के सीएम बने हैं। इस बीच शपथ लेने के बाद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। दरअसल नई सरकार के आते ही जगन मोहन रेड्डी के अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चला दिया गया है। मामला लोटस पॉन्ड इलाके का है। यहां जगन मोहन रेड्डी के आवास के सामने उनकी सुरक्षा के लिए सड़क पर अतिक्रमण बनाया गया ता। इस कारण जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में हैदराबाद नगर निगम ने अतिक्रमण पर कार्रवाई शुरू कर दी।

हैदराबाद नगर निगम का बड़ा एक्शन

इस अतिक्रमण के मद्देनजर नगर निगम को काफी शिकायतें मिली थीं, जिसमें जिक्र था कि अतिक्रमण के कारण निर्माण करने व अन्य चीजों की दिक्कतों झेलनी पड़ रही है। इसके बाद हैदराबाद नगर निगम ने यह एक्शन लिया। जगन मोहन रेड्डी के समर्थकों के मुताबिक सड़क किनारे उनका यह कमरा उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया था। आंध्र प्रदेश में मिली हार के बाद से जगन मोहन रेड्डी की कोई सुरक्षा व्यवस्था नही थी। अधिकारियों ने कहा कि इसी कारण जगन मोहन रेड्डी के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है।

ट्रक से चोरी हो गए 5.5 करोड़ रुपए के मोबाइल फोन

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा स्थित एक कंपनी के 5.5 करोड़ रुपये के मोबाइल फोन चोरी होने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रतिनिधि की शिकायत पर ओखला थाना पुलिस ने चोरी की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मानहानि मामले में पत्रकार रजत शर्मा को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने पत्रकार रजत शर्मा को उनकी मानहानि के मुकदमे में अंतरिम राहत देते हुए कांग्रेस नेताओं रागिनी नायक, पवन खेड़ा और जयराम रमेश को निर्देश दिया कि वे उन एक्स पोस्ट(ट्वीट) को हटा लें, जिनमें आरोप लगाया गया है कि रजत शर्मा ने ऑन एयर रागिनी नायक के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने उल्लेख किया कि तीनों कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संपादित वीडियो पोस्ट किया था, जबकि उन्होंने दावा किया गया था कि यह इंडिया टीवी न्यूज चैनल पर मतगणना वाले दिन हुई बहस का 'रॉ फुटेज' है। साथ ही कोर्ट ने यह भी माना कि रजत शर्मा को दोषी दिखाने वाली ये एक्स पोस्ट कुछ और नहीं बल्कि अति-सनसनीखेज तरीके से तथ्यों का चित्रण है, जो कि स्पष्ट रूप से झूठे हैं।

चंद्रयान-1 मिशन के निदेशक रहे श्रीनिवास हेगड़े का निधन

नई दिल्ली। भारत के पहले चंद्रमा मिशन चंद्रयान -1 के मिशन निदेशक रहे श्रीनिवास हेगड़े का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। उनका किडनी से जुड़ी बीमारी का इलाज चल रहा था। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। उन्होंने तीन दशकों (1978 से 2014) अधिक समय तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ काम किया। इस दौरान वह अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा किए गए कई ऐतिहासिक मिशनों से जुड़े रहे और उनमें से उल्लेखनीय 2008 में लॉन्च किया गया चंद्रयान -1 था। यह भारत का पहला चंद्र मिशन था, जिसने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की अभूतपूर्व खोज की थी। सेवानिवृत्ति के बाद, वह बेंगलुरु स्थित स्टार्ट-अप टीम इंडस से जुड़े थे।

नॉर्वे में मिला 'सफेद सोने' का भंडार

एजेंसी । ओस्लो

यूरोपीय देश नॉर्वे में रेयर अर्थ एलीमेंट्स (REE) के सबसे बड़ी भंडार की खोज हुई है, जो दुनिया में चीन के दबदबे को खत्म कर सकती है। रेयर अर्थ नॉर्वे ने पिछले सप्ताह बताया कि उसे एक दुनिया बदल देने वाली संपत्ति हासिल हुई है। आरईई जमीन में पाए जाने वाले उन दुर्लभ तत्वों को कहा जाता है, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहन, पवन टर्बाइन और सटीक गाइडेड मिसाइल सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण चीजों में किया जाता है। इसमें याट्रियम और नियोडिमियम समेत 15 प्रकार के दुर्लभ तत्व शामिल हैं। याट्रियम के चलते इसे सफेद सोना कहा जाता है। वर्तमान में दुनिया के संपूर्ण आरईई का 60 प्रतिशत अकेले चीन निकालता है, जबकि प्रसंस्करण में इसका हिस्सा बढ़कर 90 प्रतिशत हो जाता है। यूरोपीय संघ के आरईई आयात का 98 फीसदी और अमेरिका के आयात का 80 फीसदी चीन से आता है, जो वाशिंगटन और ब्रसेल्स के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता का विषय है।

2030 से पहले खनन की योजना

न्यूजवीक की रिपोर्ट के अनुसार, ओस्लो से लगभग 112 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित फेन कार्बोनेटाइट कॉम्प्लेक्स में लगभग 8.8 मेगाटन दुर्लभ मृदा ऑक्साइड होने का अनुमान है। माना जा रहा है कि इसमें 1.5 मेगाटन दुर्लभ चुंबकीय अर्थ ऑक्साइड है, जो पवन टरबाइन और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए महत्वपूर्ण है। रेयर अर्थ नॉर्वे ने कहा, 2030 से पहले खनन के पहले चरण को विकसित करने के लिए 94.3 अरब डॉलर के निवेश के फैसले को लिए जाने की जरूरत है।

नीट 2024 सीबीआई से जांच कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका में खुलासा

620 से 720 अंक लाने वाले छात्रों की संख्या में 400 फीसदी की बढ़ोतरी

एजेंसी । नई दिल्ली

एमबीबीएस, बीडीएस सहित स्नातक स्तरीय अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 में धांधली हाई रैंकरों यानी 620 से 720 अंक तक पाने वाले छात्रों की संख्या में 400 फीसदी की असाधारण व उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इसका खुलासा नीट (यूजी) 2024 में धांधली के आरोपों की सीबीआई से जांच कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका में किया गया है।

सीबीआई या फिर किसी अन्य स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच की मांग

एडवोकेट आन रिकार्ड सुधीर नागर की ओर से दाखिल याचिका में कहा कि परिणामों के विश्लेषण से नीट 2024 के परिणाम में अनियमितता के साफ संकेत मिलते हैं, ऐसे में इसकी सीबीआई या फिर किसी अन्य स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच के आदेश दिए जाए। याचिका में सीबीआई जांच के अलावा कोर्ट की निगरानी में 620 से अधिक अंक लाने वाले सभी छात्रों के शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ फॉरेंसिंक व अन्य जांच करने की मांग की है।

याचिका में किए गए ये खुलासे

- शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में कहा है कि नीट (यूजी) 2024 और 2023 के परिणामों का गहन विश्लेषण के आधार पर यह दावा किया गया है। तन्मया शर्मा, विदुशी शर्मा, सलीम सहित 20 छात्रों की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि नीट 2024 में 620 से 720 अंक पाने वाले छात्रों की संख्या में 400 फीसदी की असाधारण उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- याचिका में कहा गया है कि नीट 2023 में जहां कुल छात्रों में से महज 0.4 फीसदी से 0.6 फीसदी छात्रों को शीर्ष-100 अंक यानी 620-720 अंक तक मिले थे। लेकिन 2024 में यह बढ़कर 2.5 फीसदी हो गया।
- याचिका में कहा गया है कि 2024 में 620 से 720 अंक तक पाने वाले छात्रों की संख्या में 400 फीसदी की बेतहाशा बढ़ोतरी कई आशंकाओं को जन्म दे रही है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि देखने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्य अंक वर्गों यानी 520 से 620 अंक तक पाने वाले छात्रों की संख्या में पिछले साल की तुलना में इस साल भी कोई बदलाव नहीं देखा गया है।
- याचिका में कहा गया है कि 2023 और 2024 के नीट परिणामों के विश्लेषण से साफ होता है कि केवल उसी श्रेणी में छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है जो छात्रों के लिए प्रवेश पाने के साथ-साथ अच्छे मेडिकल कॉलेज चुनने के लिए फायदेमंद हो।

नीट में 90 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की जांच की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि नीट 2024 में 90 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले छात्रों के बारे में जांच की जरूरत है ताकि उनके पिछले वर्षों के शैक्षणिक परिणामों और कक्षा 12वीं की परीक्षा में उनके प्रदर्शन सहित उनकी साख की जांच की जा सके। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं को जानकारी मिली है कि जिसने नीट में 720 में से 720 अंक प्राप्त किया है, लेकिन 12वीं कक्षा में वह मुश्किल से 33 फीसदी अंक प्राप्त कर सका है। याचिका में कहा गया है कि नीट में धांधली, इस बात से भी साफ है कि हरियाणा के झज्जर में एक परीक्षा केंद्र से लगभग 108 छात्रों को 700 से अधिक अंक मिला।

शीर्ष 100 रैंकरों का रोल नंबर हैं क्रम

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा घोषित परिणाम से जाहिर होता है कि इस बार 67 छात्रों ने नीट में 720 में से 720 अंक यानी 100 फीसदी अंक प्राप्त किए हैं। याचिका में कहा गया है कि यह महज संयोग नहीं हो सकता क्योंकि परिणाम के गहन विश्लेषण से पता चलता है कि ऐसे 100 फीसदी अंक पाने वाले 67 में से 6 छात्र केवल एक ही परीक्षा केंद्र से हैं। याचिका में कहा है कि ऐसे कई अजीबोगरीब उदाहरण हैं जिनमें शीर्ष 100 रैंकर छात्रों के रोल नंबर क्रम में हैं।